सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 293 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 5 अगस्त 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

दल्लीराजहरा-रावघाट रेल लाइन का एक और पड़ाव पूरा, 8 अगस्त को होगा इंजन स्पीड ट्रायल रन

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत दल्लीराजहरा-रावघाट परियोजना का एक और पड़ाव पूरा हो गया। रेलवे ने अंतागढ़ के आगे तारोकी खंड तक 18 किमी की रेलवे ट्रैक का काम पूरा कर लिया है। रेलवे द्वारा इस ट्रैक पर 8 अगस्त को इंजन स्पीड ट्रायल रन किया जाएगा।

बता दें रावघाट परिजयोजना के तहत दल्लीराजहरा से रावघाट तक रेलवे ट्रैक का निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान में अंतागढ़ तक ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोग लाभांवित हो रहे है। इसी कड़ी में रावघाट परियोजना के अंतर्गत रेल लाईन का विस्तार का काम अंतागढ़-तारोकी खंड में लगभग 18 किलो मीटर का कार्य पूरा हो चुका है। अब इस ट्रैक पर ट्रायल रन किया जाएगा।

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार रेल संरक्षा आयुक्त (CRS) का संरक्षा निरीक्षण 11 अगस्त को होगा। इससे पहले 8 अगस्त को अंतागढ़- तारोकी खंड में लाईट ईन्जन द्वारा स्पीड ट्रायल किया जाएगा। रेलवे ने आम लोगों ने अपील की है कि रेलवे ट्रैक पर स्वंय जाने एवं मवेशियो को जाने से रोके, जिससे जन-धन एवं रेलवे संपत्ति का नुकसान न हो।

तोशाखाना केस में इमरान खान दोषी करार, कोर्ट ने सुनाई तीन साल की सजा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें बढ़ गई हैं। तोशाखाना केस में इमरान खान को जिला-सत्र न्यायालय ने दोषी ठहराया है। उन्हें इस मामले में तीन साल की सजा सुनाई गई है। इस्लामाबाद पुलिस ने इमरान के खिलाफ अरेस्ट वॉरंट जारी किया है।

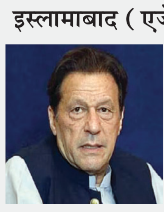

एयरपोर्ट की तर्ज पर संवरेंगे दुर्ग रायपुर व बिलासपुर के रेलवे स्टेशन

पीएम मोदी कल देश भर में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की रखेंगे आधारशिला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार द्वारा देश भर में 1309 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी 6 अगस्त को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर में 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे। इस योजना के तहत सवंरने वाले रेलवे स्टेशनों में दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे के 9 स्टेशन भी शामिल हैं । बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग के साथ साथ अकलतरा, भिलाई पावर हाउस , तिल्दा-नेवरा, गोंदिया, वडसा एवं चांदाफोर्ट स्टेशनों में व्यापक प्रस्तावित विकास कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा।

बता दें प्रधानमंत्री अक्सर अत्याधुनिक सार्वजनिक परिवहन के प्रावधान पर जोर देते रहे हैं । यह देखते हुए कि रेलवे देश भर में लोगों के परिवहन का पसंदीदा साधन है, उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया है। इस दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, शुरू की गई थी। इस योजना के तहत प्रधानमंत्री द्वारा 508 स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी जा रही है. 24,470 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से इन स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा।

एयरपोर्ट जैसी मिलेंगी सुविधाएं

स्टेशनों के पुनर्विकास से जुड़े कामों के पूरा होने के बाद यात्रियों को एयरपोर्ट जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं मिला करेंगी। अभी इन स्टेशनों पर सभी मूलभूत सुविधाएं मिलती हैं, लेकिन इस योजना के बाद बाद में स्टेशनों में व्यापक यात्री सुविधाओं का विस्तार हो जाएगा। पुनर्विकास के बाद बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग स्टेशन हाईटेक यात्री सुविधाओं के साथ टेक्नोलॉजी, स्थानीय संस्कृति और समृद्ध विरासत का आकर्षक केंद्र बनेंगे। यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ रोजगार बढ़ने की व्यापक संभावना विकसित होगी जिसका लाभ स्थानीय लोगों को मिलेगा।

बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग स्टेशन में यह होंगे काम

बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग स्टेशनों इस योजना के तहत स्टेशन बिल्डिंग के दोनों तरफ से शहर व्यापक एंट्री का प्रावधान, लिफ्ट एवं एस्कलेटर का प्रावधान, Eqivalent कार पार्किंग की सुविधा, पूर्ण ग्रीन बिल्डिंग, यात्री सुविधायुक्त विशाल कान्कोर्स, विशाल छत आवरण, नए बड़े फुट ओवर ब्रिज, स्टेशन की छतों पर सोलर पैनल, रेनहार्वेस्टिंग, प्रस्तावित स्टेशन बिल्डिंग में हेरिटेज महत्व के साथ साथ स्थानीय कला और संस्कृति का समावेश आदि शामिल है।

इनके अतिरिक्त अकलतरा, तिल्दा-नेवरा, भिलाई पावर हाउस, गोंदिया, वडसा एवं चांदा फोर्ट स्टेशनों के यात्री सुविधाओं के व्यापक पुनर्विकास कार्य के तहत आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त फुटओवर ब्रिज का प्रावधान, लिफ्ट एवं एस्कलेटर का प्रावधान, सर्कुलटिंग एरिया का उन्नयन, वेटिंग हाल और टायलेट्स का उन्नयन, स्टेशन लाईटिंग में सुधार, साइनेज, ट्रेन एवं कोच इंडिकेटर बोर्ड्स की सुविधा, पार्किंग एरिया में वृद्धि, प्लैटफॉर्म एरिया का विस्तार व शेड द्वारा कवरिंग तथा स्थानीय कला और संस्कृति के अनुसार स्टेशन के वाह्य स्वरूप का उन्नयन शामिल है।

स्टेशनों को 'सिटी सेंटर' के रूप में विकसित करने मास्टर प्लान तैयार

शहर के दोनों किनारों के उचित एकीकरण के साथ इन स्टेशनों को 'सिटी सेंटर' के रूप में विकसित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं । यह एकीकृत दृष्टिकोण रेलवे स्टेशन के आसपास केंद्रित शहर के समग्र शहरी विकास की समग्र दृष्टि से प्रेरित है । ये 508 स्टेशन 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं, जिनमें छत्तीसगढ़ में 07, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 55-55, बिहार में 49, महाराष्ट्र में 44, पश्चिम बंगाल में 37, मध्य प्रदेश में 34, असम में 32, ओडिशा में 25, पंजाब में 22 स्टेशन शामिल हैं ।, गुजरात और तेलंगाना में 21-21, झारखंड में 20, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में 18-18, हरियाणा में 15, कर्नाटक में 13 और अन्य सम्मिलित हैं ।

यात्रीगण ध्यान दें: कल से पांच दिन के लिए रेलवे ने रद्द की 14 ट्रेनें

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में रेलवे द्वारा अधोसंरचना विकास के लिए लगातार यात्री ट्रेनों को रद्द किया जा रहा है। इसी कड़ी में रेलवे ने छत्तीसगढ़ के अलग अलग शहरों को जोड़ने वाली 14 ट्रेनों को पांच दिन के लिए रद्द कर दिया है। 6 से 10 अगस्त तक इन ट्रेनों को रद्द किया गया है। बिलासपुर-रायगढ़ सहित कोरबा, रायपुर, दुर्ग और गोंदिया (महाराष्ट्र) तक चलने वाली ट्रेनों को रद्द किया गया है। रेलवे प्रशासन ने जानकारी देते हुए बताया कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के विभिन्न सेक्शनों में गतिशीलता के उन्नयन, समय की पाबंदी और चल रहे विभिन्न सुरक्षा संबंधी रखरखाव कार्यों में सुधार करने के 14 लोकल और पैसेंजर ट्रेनों को रद्द किया गया है।

यह ट्रेनें रहेंगी रद्द

- 6 से 9 अगस्त तक बिलासपुर एवं रायगढ़ से चलने वाली 08738/08737 बिलासपुर-रायगढ़- बिलासपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
- 6 से 9 अगस्त तक रायपुर चलने वाली 08746 रायपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
- 7 से 10 अगस्त तक गेवरा रोड चलने वाली 08745 गेवरा रोड-रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
- 6 से 9 अगस्त तक रायपुर एवं दुर्ग चलने वाली 08701/08702 रायपुर-दुर्ग-रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
- 6 से 9 अगस्त तक रायपुर चलने वाली 08729 रायपुर-डोगरगढ़ मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
- 7 से 10 अगस्त तक डोगरगढ़ चलने वाली 08730 डोगरगढ़-रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
- 6 से 9 अगस्त तक गोंदिया एवं कटंगी चलने वाली 07805/07806 गोंदिया-कटंगी-गोंदिया डेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
- 6 से 9 अगस्त तक गोंदिया चलने वाली 07809 गोंदिया-कटंगी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
- 7 से 10 अगस्त तक कटंगी चलने वाली 07810 कटंगी-गोंदिया पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
- 6 से 9 अगस्त तक बिलासपुर एवं शहडोल चलने वाली 08740/08739 बिलासपुर ङ्कशहडोल -बिलासपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
- 6 से 9 अगस्त तक इतवारी एवं बालाघाट चलने वाली 08714/08715 इतवारी-बालाघाट-इतवारी मेमू पैसेंजर स्पेशल गोंदिया एवं बालाघाट के बीच रद्द रहेगी।

प्रदेश में 10 अगस्त को मनाया जाएगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 17 अगस्त तक फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में आगामी 10 अगस्त को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा। राज्य के सात जिलों दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, जांजगीर-चांपा, सक्ती, मुंगेली और महासमुंद में 10 अगस्त से 17 अगस्त तक फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम (MDA) भी आयोजित किए जाएंगे।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के दौरान 10 अगस्त को प्रदेश में एक वर्ष से 19 वर्ष तक के सभी बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को कृमिनाशक दवा खिलाई जाएगी। 10 अगस्त को दवा सेवन से छूटे हुए बच्चों व किशोरों को 17 अगस्त को मॉप-अप दिवस पर दवा खिलाई जाएगी। आंगनबाड़ियों, शासकीय विद्यालयों, स्वास्थ्य केन्द्रों, अनुदान प्राप्त निजी स्कूलों और तकनीकी शिक्षा संस्थानों में बच्चों को कृमि की दवा का सेवन कराया जाएगा। एक वर्ष से दो वर्ष के बच्चों को अलबेंडाजॉल की आधी गोली खिलाई जाएगी तथा दो साल से अधिक उम्र के सभी लाभार्थियों को अलबेंडाजाल की एक गोली खिलाई जाएगी।

बच्चों व किशोरों के अच्छे स्वास्थ्य, बेहतर पोषण, बौद्धिक विकास, शाला में नियमित उपस्थिति और जीवन की गुणवत्ता में बढ़ोतरी एवं सुधार लाने के लिए कृमिनाशक दवा देना अति आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 10 अगस्त से 17 अगस्त तक सात जिलों में 67 लाख से अधिक लोगों को सामूहिक दवा सेवन (MDA) का लक्ष्य रखा गया है। इन जिलों में गर्भवती महिलाओं एवं अति बीमार व्यक्तियों को छोड़कर एक साल से अधिक उम्र के सभी लोगों को एल्बेण्डाजॉल के साथ डी.ई.आई.सी. की दवा का सेवन कराया जाएगा।

'कका अभी जिंदा है' मगर.....

श्रीकंचनपथ

भिलाई के जयंती स्टेडियम में आयोजित भेंट मुलाकात में मुख्यमंत्री ने फिर अपनी बात 'कका अभी जिंदा है' के नारे के साथ की। उन्होंने कहा कि जो सपना आज युवाओं का है, वही हमारे पुरखों का भी था। सीएम ने बताया कि उनकी सरकार ने यूनिवर्सिटी खोली, मेडिकल कॉलेज खोले। भेंट मुलाकात से उठी मांग पर स्वामी आत्मानंद स्कूल और बैंक खोले। राज्य में पहली बार इंग्लिश मीडियम के कॉलेज खोले। साढ़े चार साल में इनकी संख्या 10 हो चुकी है। सरकार आदिवासी परम्पराओं, राम वन गमन पथ, कबीर सरोवर और बाबा घासीदास की महिमा को पुनर्स्थापित करने की कोशिश कर रही है। छात्राओं ने खुद को ज्यादा सुरक्षित बताया। उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने की भी बातें विद्यार्थियों ने की। किसी ने कहा - छत्तीसगढ़ आपकी मया का दीवाना है तो किसी ने धान खरीदी को लेकर सरकार की तारीफकी। गांव में पीटी टीचर की मांग भी उठी। सीएम ने भिलाई की तारीफ भी की, कहा यहां ऐसे ऐसे खेलों का प्रशिक्षण दिया जाता है जिनका अभी किसी ने नाम भी नहीं सुना। उन्होंने बस्तर, राजनांदगांव और बिलासपुर के स्टेडियमों का भी जिक्र किया। राष्ट्रीय खेलकूद में 13 पदक जीतने और अबूझमाड़ के मल्लखंभ की भी तारीफ की। यह परम्पराओं का देश है। जब कोई बड़ा आपको मिलने बुलाए तो वहां टेढ़ी-मेढ़ी, आड़ी-तिरछी बातें नहीं करनी चाहिए। वहां तो वही बोलना चाहिए जो अगले को अच्छा लगे। उनके समर्थन में नारे लगाने चाहिए। इससे माहौल अच्छा रहता है। जाहिर है कि विद्यार्थियों को ये सवाल उनके गुरुजियों ने रटवाये थे। इसीलिए किसी ने भी महाविद्यालयों के गिरते स्तर, विश्वविद्यालयों की गिरती साख और होनहार विद्यार्थियों के राज्य से पलायन के बारे में कोई सवाल नहीं उठाया। किसी ने भी सड़े-गले पाठ्यक्रमों की बात नहीं की। किसी ने नहीं पूछा कि जब सारी पढ़ाई कोचिंग संस्थानों में ही होनी है तो स्कूल कालेज क्या केवल विद्यार्थियों के रेगुलर स्टूडेंट होने का ठप्पा लगाने के लिए रह गए हैं? डोमशेड के भीतर ऐसी बातों की कोई जरूरत भी नहीं थी। विद्यार्थियों की तरफ से जो कुछ कहना है वह एनएसयूआई कह ही रहा है। इस साल विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं के नतीजे हर किसी का दर्द बने हुए हैं। विद्यार्थी तो इसकी चपेट में आए ही हैं, खुद कालेज भी इसकी मार से नहीं बच पाए हैं। फकत एक तिहाई या चौथाई बच्चे ही पास हो सके हैं। ऐसे में द्वितीय वर्ष एवं तृतीव वर्ष की सीटें खाली हो गई हैं। इसकी जिम्मेदारी फिक्स किये जाने की भी जरूरत है। आयोजकों ने इस कार्यक्रम के लिए बेहिसाब विद्यार्थियों को आमंत्रित कर लिया। यह संख्या इतनी ज्यादा थी कि आधे लोगों को 'कका' से मिले बिना ही लौटना पड़ा। बारिश के बीच यह बहुतों को अखर गया। इसका खामियाजा भी 'कका' को भुगतना पड़ सकता है। 'गए थे हरि भजन को, ओंटन लगे कपास' कहीं नाराजगी का कारण न बन जाए।

संपादकीय

राहुल को राहत

मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने जो कुछ कहा है, उससे एक बार फिर यह साबित हुआ कि भारतीय न्यायपालिका इतनी पाएदार क्यों है और दुनिया भर में उसकी इतनी साख क्यों है? आला अदालत की तीन जजों की पीठ ने निचली दोनों अदालतों के निर्णय पर टिप्पणी करते हुए स्पष्ट कहा है कि 'ऐसे मामलों में, जब अपराध जमानती हो, तब अधिकतम सजा देने के लिए ट्रायल जज से ठोस कारणों के उल्लेख की उम्मीद की जाती है।' मगर निचली अदालत ने तो यह नहीं ही किया, गुजरात हाईकोर्ट ने भी याचिकाकर्ता की राहत की अपील को खारिज करते समय इस अहम पहलू को नजरअंदाज किया। चूंकि इस फैसले का असर लाखों लोगों के जन-प्रतिनिधित्व पर पड़ने वाला था, ऐसे में, इस मामले में पूरी संजीदगी की दरकार थी। बहरहाल, सजा पर रोक के बाद राहुल गांधी के लिए संभावनाओं के वे सारे दरवाजे खुल गए हैं, जिन पर इस दंड के कारण ताले लगे थे। ऐसे में, कोई आश्चर्य नहीं कि आला अदालत के फैसले की खबर मिलते ही लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष से राहुल गांधी की सदस्यता तत्काल बहाल करने की मांग कर डाली। राहुल गांधी को न्याय की कसौटी पर राहत मिली है, मगर अदालत ने उनकी टिप्पणी को शालीनता के दायरे के बाहर ही माना है और यह अपेक्षा की है कि सार्वजनिक जीवन वाले व्यक्ति को अपने भाषणों में एहतियात बरतनी चाहिए। निस्संदेह, यह अपेक्षा काफी अहम है और यह किसी एक नेता या एक सियासी पार्टी तक महदूद नहीं है। हमारे देश में सार्वजनिक विमर्शों, बल्कि अब तो कई बार संसदीय बहसों का स्तर भी इतना खराब हो जाता है कि उसे सुनने-देखने वाले शर्मिंदा हो जाएं, ऐसे में शीर्ष राजनेताओं से यह खास अपेक्षा की जानी चाहिए कि वे हमारे जन-विमर्श के स्थापित मूल्यों का ख्याल रखें। जब उनके स्तर से ही चूक होगी, तो नीचे के नेताओं और कार्यकर्ताओं से राजनीतिक शिष्टाचार की अपेक्षा कैसे की जाएगी? यह सवाल तब और महत्वपूर्ण हो जाता है, जब तमाम राजनीतिक दलों को जिताऊ उम्मीदवार के नाम पर आपराधिक पृष्ठभूमि के नेताओं से भी कोई परहेज नहीं है! इस पूरे प्रकरण में राहुल गांधी के राजनीतिक विरोधियों को कोई लाभ पहुंचा हो या नहीं, मगर उन्होंने राहुल को एक मुद्दा जरूर थमा दिया, क्योंकि न्यायपालिका के क्षेत्र के बाहर इस मामले में जितनी सक्रियता बरती गई, चाहे उनकी सदस्यता समाप्ति की त्वरित अधिसूचना हो या उनसे आवास खाली कराने में बरती गई अतिरिक्त तत्परता, आम जनता में यही संदेश गया कि यह प्रक्रिया के पालन से ज्यादा बदले की कार्रवाई है, और इसे राहुल व उनके दल ने काफी भुनाया भी। यहां तक कि कांग्रेस से खास दूरी बरतने वाले कई दल भी उसके करीब आ गए! ऐसे में, यह देखना वाकई दिलचस्प होगा कि राहुल गांधी जब संसद में लौटेंगे, तब उनका रुख भाजपा और केंद्र सरकार के प्रति कैसा रहता है। यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि देश का जनमानस प्रतिशोध की राजनीति को पसंद नहीं करता। मगर जैसी आक्रामकता संसद के भीतर और बाहर दिख रही है, उसमें नेताओं की परिपक्वता की परीक्षा भी होगी। इस फैसले में निचली अदालतों के लिए भी एक संदेश है कि जन-प्रतिनिधियों के बारे में फैसला देते समय वे उसके व्यापक परिणामों को भी अपनी निगाह में रखें!

> “ हमारे देश में सार्वजनिक विमर्शों, बल्कि अब तो कई बार संसदीय बहसों का स्तर भी इतना खराब हो जाता है कि उसे सुनने-देखने वाले शर्मिंदा हो जाएं, ऐसे में शीर्ष राजनेताओं से यह खास अपेक्षा की जानी चाहिए कि वे हमारे जन-विमर्श के स्थापित मूल्यों का ख्याल रखें।

यह तो बेरहमी है

जिस देश में उच्चतर शिक्षा पहले से समस्याग्रस्त स्थिति में हो, वहां आम छात्रों के लिए उसे महंगा बनाना किस रूप में तार्किक नीति हो सकती है, इसे समझना कठिन है। हाल में कई विश्वविद्यालयों में फीस में हुई भारी बढ़ोतरी के बाद अब खबर है कि हॉस्टलों और पीजी कमरों पर 12 प्रतिशत जीएसटी भी लगा दिया गया है। महंगाई के इस दौर में जब आम परिवारों की वास्तविक पहले से घट रही है, गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को इस टैक्स का बोझ भी उठाना होगा। इसलिए सरकार को इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर तुरंत विचार करना चाहिए। वरना, यह कर लगाना एक तरह की बेरहमी समझा जाएगा। सरकार कह सकती है कि यह निर्णय जीएसटी काउंसिल के अथॉरिटी ऑफ एडवांस्ड रूलिंग (एएआर) ने दिया है। उसकी दो अलग-अलग बेंचों ने इस मामले में एक जैसे फैसले दिए हैं। इसके तहत नया टैक्स प्रभावी हुआ है। तो अब किसी हॉस्टल या पीजी (पेइंग गेस्ट) कमरे का किराया अगर 10 हजार रुपये था, तो अब यह 11,200 रुपये हो जाएगा। जिन दो मामलों में ये फैसले आए, उनमें एक बेंगलुरु बेंच का है।

एक याचिका में बेंच से महिलाओं के लिए हॉस्टल और पीजी सेवायें चलाने वाली एक कंपनी ने अपील की थी कि निजी हॉस्टलों को आवासीय परिसरों की ही श्रेणी में डाला जाए और उन पर जीएसटी ना लगाया जाए। आवासीय परिसर को किराए पर देने पर उन पर जीएसटी नहीं लगता है। बेंगलुरु एएआर ने अपने फैसले में कहा कि हॉस्टल और पीजी कमरों को आवासीय परिसर नहीं माना जा सकता, क्योंकि वहां अपरिचित लोग एक साथ रहते हैं और हर महीने प्रति बिस्तर के आधार पर बिल बनाए जाते हैं। इसी तरह हॉस्टल चलाने वाली नोएडा स्थित एक कंपनी ने लखनऊ एएआर से कहा था कि वो आवासीय सेवाएं देती है, इसलिए उससे जीएसटी नहीं वसूला जाए। लेकिन इस मामले में भी एएआर इस तर्क को स्वीकार नहीं किया। लेकिन इन फैसलों का सीधा असर हॉस्टलों और पीजी कमरों में रहने वाले छात्रों पर पड़ेगा। क्या इसे शिक्षा को हतोत्साहित करने वाला निर्णय नहीं माना जाना चाहिए?

आरक्षण के भीतर आरक्षण होगा क्या?

जस्टिस जी रोहिणी के अध्यक्षता में बने आयोग ने अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप दी है। इस आयोग का गठन 2017 में हुआ था और तीन महीने में इसे अपनी रिपोर्ट देनी थी। लेकिन पिछले छह साल में आयोग को 14 विस्तार मिला और अब जाकर इसने अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपी है। इस आयोग को यह पता लगाना था कि आरक्षण का लाभ क्या समान रूप से सभी जातियों को मिल रहा है? जस्टिस रोहिणी आयोग ने अपनी शुरुआती फाइंडिंग में बता दिया था कि कुछ जातियां हैं, जो आरक्षण का ज्यादा लाभ ले रही हैं, जबकि ज्यादातर कमजोर जातियों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है।

बताया जा रहा है कि आयोग का गठन करने के बाद सरकार इस मामले में सुस्त पड़ गई क्योंकि उसको लगने लगा कि इसकी फाइंडिंग के आधार पर आरक्षण में कोई भी बदलाव किया गया तो उसका राजनीतिक नुकसान हो सकता है। असल में पिछड़ी जातियों में भी जो आर्थिक व शैक्षणिक रूप से मजबूत जातियां हैं उनको आरक्षण का ज्यादा लाभ मिला है। बहुत सी अति पिछड़ी जातियां ऐसी हैं, जिनको आज तक आरक्षण का कोई लाभ नहीं मिल पाया है। सो, कायदे से सभी पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ पहुंचाने के लिए आरक्षण के भीतर आरक्षण का प्रावधान करना होगा। जिन जातियों को ज्यादा लाभ मिला है उनकी बजाय अब कम लाभ हासिल करने वाली जातियों को महत्व देना होगा। लेकिन क्या सरकार ऐसा कर पाएगी? इसकी संभावना कम है क्योंकि कोई भी पार्टी नहीं चाहेगी कि मजबूत पिछड़ी जातियां नाराज हों। सो, आने वाले दिनों में बीच का कोई रास्ता निकालने का प्रयास होगा।

> “ यह तो एक बहाना है कि हुकूमत ने कोताही की है, हुकूमत से गफलत हुई है, लापरवाही हुई है, फसादात को तत्काल रोका जाता, तो शायद 30 आदमी न मरते, पांच मरते या दो मरते, लेकिन यह मसले का हल नहीं है। ...यूं तो सारे मुल्क में इस जहर की कालिख लगी हुई है, लेकिन सबसे ज्यादा रुसवा इस मुल्क की हुकूमत हुई है। मैं नहीं समझता कि इस हुकूमत में ऐसे हुक्काम मौजूद हैं।

मासूम तकरीरों से नहीं रुकेंगे ऐसे फसादात

एस ए शमीम, वरिष्ठ सांसद व नेता

सभापति जी, इस मुल्क की और इस सदन की बदकिस्मती है कि रेल का मामला हो या तेल का, ...हम लोग पार्टीबाजी से बहुत कम ही ऊपर आते हैं। अगर आज का फसाद इस मुल्क का आखिरी फसाद होता, तो मुझे कोई ऐतराज नहीं था..., लेकिन सख्त बदकिस्मती यह है कि फसादात का यह सिलसिला पिछले 27 साल से जारी है और आज फसाद ने फिर दिल दहला दिया है।

इसलिए नहीं कि 100 आदमी मारे गए या 100 मकान जले, लेकिन अभी तो हजारों आदमियों को मरना है, सैकड़ों नहीं, हजारों मकानों को जलना है, इस बात ने बेचैन कर दिया है। इसी वजह से आप की तवज्जो इस तरफ दिलाने के लिए हमने इस ऐवान में बहस का आगाज किया है। ...वाजपेयी जी की तकरीर के एक-एक शब्द से मुझे ऐतराज नहीं है, उन्होंने बड़ी मासूम तकरीर की। वाजपेयी जी की तकरीर के बाद मैं अपने आप से यह सवाल पूछ रहा था, अगर इस मुल्क के एक बहुत बड़े नेता जिनके पीछे एक जमायत है, ये विचार रखते हैं, तो फिर इस किस्म की दुर्घटनाएं क्यों होती हैं?...हमारी बदकिस्मती यह है कि इस सवाल का जवाब मौजूद है, वाजपेयी जी भी जानते हैं, मैं भी जानता हूं, आप सब जानते हैं कि क्यों वे मासूम मारे जाते हैं, जिनकी सिर्फ यह खता होती है कि उन्होंने खास घराने में पैदा होकर खास नाम रख लिया है। वजह यह नहीं है कि दो रस पिलाने वाले आपस में लड़ पड़े, वजह यह नहीं है कि साइकिलवाला और ठेलेवाला टकरा गए, इस वजह से खून खराबा हो गया। फसादात के लिए सैकड़ों लोगों को पागल बनाना पड़ता है, उन्हें हिंसा, जुल्म और तशद्दुद की शराब पिलानी पड़ती है। असल बात यह है कि हमने इस मुल्क में अभी भी इस फिज़ा को खत्म नहीं किया है...।

यह तो एक बहाना है कि हुकूमत ने कोताही की है, हुकूमत से गफलत हुई है, लापरवाही हुई है, फसादात को तत्काल रोका जाता, तो शायद 30 आदमी न मरते, पांच मरते या दो मरते, लेकिन यह मसले का हल नहीं है। ...यूं तो सारे मुल्क में इस

जहर की कालिख लगी हुई है, लेकिन सबसे ज्यादा रुसवा इस मुल्क की हुकूमत हुई है। मैं नहीं समझता कि इस हुकूमत में ऐसे हुक्काम मौजूद हैं, जो सिर्फ अपने दुश्मन को नीचा दिखाने के लिए चेहरे पर कालिख मलेंगे। इस मुल्क में इस हुकूमत में इस कानून के तहत ऐसे लोग मौजूद हैं, जो फिजा तैयार करते हैं, जिस तरह खेती में फसाद के बीज डाल दिए जाएं, तो फसाद की पूरी फसल तैयार हो जाती है।

वाजपेयी जी, आपने कहा कि मस्जिदों और मंदिरों का गलत इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। कौन कहता है कि होना चाहिए? आपने कहा कि हिन्दुस्तानी मरे हैं और इस देश के माथे पर कलंक लगा है, लेकिन यहां मुझे ऐसा महसूस होता है कि हम संसद में एक जुबान बोलते हैं और जब हमारे पास अलग श्रोता होते हैं, तो दूसरी जुबान इस्तेमाल करते हैं। हमारी जुबान में बड़ी मासूमियत होती है, मैं इसके लिए आपको दोष नहीं देता, लेकिन क्या आप अपनी पार्टी के अखबार पढ़ते हैं? क्या आप की पार्टी का अखबार ... यही बात कहता है? इस मुल्क में हिन्दू-मुसलमान, सिख, ईसाई सब एक हैं, क्या ये अखबार भी ऐसा कहते हैं...? मैं... जहर की बुनियाद को जानना चाहता हूं। ...संसद में खूबसूरत भाषण करने से, मासूम बातें करने से,... हुकूमत की वकालत करने से क्या उस जज्बे को खत्म कर सकते हैं, जिसने इस मुल्क का बंटवारा किया और जो आज भी हमारे दिलों का बंटवारा करना चाहता है। कौन कहता है, हिन्दू मरा, कौन कहता है, मुसलमान मरा, मैं नहीं जानता, उनका मजहब क्या था, पर इतनी बात जानता हूं कि उन्होंने कोई कुसूर नहीं किया था, कोई गुनाह नहीं किया था।

...गांधी जी की तरह से यहां पूछने वाला कोई नही है...। मुसलमानों को बचाने के लिए कितने हिन्दू मरे और हिन्दुओं को बचाने के लिए कितने मुसलमान मरे? यह सवाल पूछने वाला अब इस देश में कोई नहीं रहा। यही वजह है कि यह आखिरी फसाद नहीं है। ...अभी और फसादात होंगे, इसलिए उनकी फिक्र कीजिए।

...इस मुल्क में 55 करोड़ की आबाबी में 50 करोड़ हिन्दू हैं, यहां अगर पांच करोड़ मुसलमान जिन्दा हैं, तो इसलिए जिन्दा हैं कि 50 करोड़ हिन्दुओं की नीयत ठीक है, उनका किरदार ठीक है, पर काले कौवे कहां नहीं होते? मुसलमानों में भी हैं और हिन्दुओं में भी। उन गुंडों का, जैसा शेख साहब ने कहा, कोई मजहब नहीं होता।

(लोकसभा में दिए गए भाषण का अंश)

दंगे से सारे संसार में हमारी प्रतिष्ठा गिरी

अटल बिहारी वाजपेयी, वरिष्ठ राजनेता

सभापति जी, मैं प्रस्ताव करता हूं कि सदन की बैठक स्थगित की जाए। यह कार्य स्थगन प्रस्ताव, दिल्ली में जो सांप्रदायिक उपद्रव हुआ है, उसे लेकर है। सांप्रदायिक उपद्रव एक गंभीर घटना है। उसकी चर्चा एक नाजुक मामला है। हमें ध्यान रखना होगा कि चर्चा सांप्रदायिकता और सांप्रदायिक उपद्रव को दबाने में सहायक होनी चाहिए, उसे बढ़ाने में नहीं। 1947 के बाद दिल्ली में यह सबसे बड़ा सांप्रदायिक दंगा हुआ है। ...मैं दंगे में मरने वाले सभी व्यक्तियों के प्रति चाहे वे किसी भी संप्रदाय के हों, शोक संवेदना प्रकट करना चाहता हूं। ...जो दस लोग मरे हैं, उनमें आठ हिन्दू बताए गए हैं, दो मुसलमान, लेकिन दुनिया की नजरों में जो मरे हैं, वे भारतीय हैं। भारत की राजधानी दिल्ली में ये मरे हैं, इनसे सारे संसार में हमारी प्रतिष्ठा गिरी है और हम एक असभ्य देश के नाते दुनिया के सामने कठघरे में खड़े हो गए हैं।...

आज सबेरे मुझे कई इलाकों में जाने का मौका मिला था। शोक संतप्त परिवारों के दृश्य को मैं भूल नहीं सकता। ...सभी कहते हैं, सिनेमा घर में कोई झगड़ा हुआ था, वह झगड़ा दूसरे दिन बढ़ गया। झगड़ा व्यक्तियों का था, मगर उसने दो फिरकों के झगड़े का रूप ले लिया। ...जिनसे उपद्रव की आशंका थी, उन्हें गिरफ्तार करती, लेकिन पुलिस यह करने में सर्वथा विफल रही है। ...यदि शुरू में ही कड़ी कार्रवाईकी जाए, तो रोकथाम की जा सकती है। इस मामले में रोकथाम नहीं की गई। जब पुलिस को खबर मिली और पहला दस्ता पहुंचा, तब तक हालत इतनी बिगड़ चुकी थी कि 10-15 पुलिस के जवान हालत पर काबू नहीं पा सकते थे।

...तथ्य कुछ भी हो, अगर पुलिस अफसर से पूछा जाए कि आप मंदिर में क्यों नहीं गए या मस्जिद में क्यों नहीं गए, तो उनका जवाब यह नहीं होना चाहिए कि वहां जाने की हमें इजाजत नहीं है। ...अगर उनका उपयोग शांति भंग करने के लिए किया जाता है, तो कानून की सीमा से कोई बच न पाए, आपको ऐसी व्यवस्था करनी

चाहिए। देश में कानून और न्याय की व्यवस्था नहीं रहेगी, तो कोई उपासना की पद्धति चल नहीं सकती है।

...दिल्ली के उस हिस्से को उपद्रवकारियों के भरोसे छोड़ दिया गया। मैं जानना चाहता हूं कि दिल्ली पुलिस कहां थी? क्या सारी पुलिस रेलवे हड़ताल को तोड़ने के लिए लगा दी गई है? ...क्या पुलिस की शक्तियां कम हैं या जो पुलिस की शक्ति है, उसका हम ठीक उपयोग नहीं कर पाते हैं?...जब ग्यारह महीने पहले इस इलाके में दंगा हुआ था, तब हमने न्यायिक जांच की मांग की थी। ... जांच के लिए टंडन तैनात किए गए। वह जांच सार्वजनिक जांच थी। ...हम जानना चाहते हैं कि जांच रिपोर्ट कहां है, उसे प्रकाशित क्यों नहीं किया गया है?...

हमारी मांग है कि सारे सांप्रदायिक उपद्रव की अदालती जांच होनी चाहिए, तथ्य सामने आने चाहिए कि उपद्रव करने वाले कौन हैं, ...उन्हें कठोर से कठोर सजा दी जानी चाहिए। ...यह भी जरूरी है कि राष्ट्रीय एकता परिषद की जो सिफारिशें थीं, यह बताया जाए कि उन पर क्यों नहीं अमल किया गया है। ...हमारी सरकार के लिए राष्ट्रीय एकता का मामला भी एक मौसमी मामला है। 1961 में राष्ट्रीय एकता परिषद बनी थी, जब चीन ने हमला किया था, उसे खत्म कर दिया गया। 1968 में फिर से उसे जिंदा किया गया। श्रीनगर में उसकी बैठक हुई। वहां जो सिफारिशें की गईं, उनको फिर बेहोश कर दिया गया। कुछ महीने पहले फिर से उसे जिंदा किया गया। अब पता नहीं, वह मर गई है या अधमरी है या सिसक रही है। दिल्ली में जो पिछला उपद्रव हुआ था, उसके बाद किसी अफसर को सजा देने के बजाय तरक्की दी गई। किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई। ...हमें यह मानना पड़ेगा कि हम एक देश में रहते हैं, मगर अभी हम एक कौम के रूप में नहीं रहते हैं। ...राष्ट्रीयता का भाव हमने पैदा नहीं किया है। इसीलिए छोटी-छोटी घटनाएं ऐसे रूप में प्रगट होती हैं, जिससे हमें शर्मिंदा होना पड़ता है।...

जब तक इस सांप्रदायिक सवाल को वोटों की नजर से देखा जाता रहेगा, तब तक यह समस्या हल नहीं होगी। दंगा केवल एक गहरी बीमारी का विस्फोट है, वह बीमारी नहीं है, बीमारी का लक्षण है। बीमारी अधिक गहरी और कठिन है। जहां हम प्रशासनिक स्तर पर इस तरह के विस्फोटों को कड़ी कार्रवाई द्वारा दबाने की कोशिश करें, वहां बीमारी की तह में जाकर उसका स्थायी इलाज खोजने का प्रयत्न करें। यही निवेदन है।

(लोकसभा में दिए गए भाषण का अंश)

अधिभार (ओवरबर्डन) से रेत का उत्पादनः कचरे से कंचन

राजीव आर मिश्रा

भले ही अपने उपभोक्ताओं के लिए कोयला/ लिग्नाइट का उत्पादन और वितरण करने का ही शासनादेश हो, फिर भी कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में कोयला और लिग्नाइट सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) ने लीक से हटकर ओवरबर्डन से बहुत कम कीमत पर रेत का उत्पादन करने वाली एक अनोखी पहल की है। इस पहल से न केवल ओवरबर्डन के कारण रेत गाद से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में मदद मिल रही है, बल्कि निर्माण के लिए सस्ती रेत प्राप्त करने का विकल्प भी मिल रहा है। कोयला सार्वजनिक उपक्रमों में रेत का उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है और अगले पांच वर्षों के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), नैवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएलसीआईएल) और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) में रेत के उत्पादन को अधिकतम करने के लिए रोडमैप तैयार किया जा चुका है। कोयले का निष्कर्षण एक महत्वपूर्ण उप-उत्पाद के साथ होता है, जिसे ओवरबर्डन के नाम से जाना जाता है। कोयले के खुले खनन के दौरान, कोयले की परत के ऊपर स्थित परत को ओवरबर्डन के रूप में जाना जाता है, जिसमें प्रचुर मात्रा में सिलिका सामग्री के साथ मिट्टी, जलोढ़ रेत और बलुआ पत्थर शामिल होते हैं। नीचे से कोयला निकालने के लिए ओवरबर्डन को हटा दिया जाता है। बाद में, कोयला निष्कर्षण पूरा होने पर, भूमि को उसका मूल आकार प्रदान करने के लिए ओवरबर्डन का उपयोग बैकफिलिंग के लिए किया जाता है। ऊपर से ओवरबर्डन निकालते समय, मात्रा का

स्वेल फैक्टर 20-25 प्रतिशत होता है। इस ओवरबर्डन को परंपरागत रूप से अपशिष्ट या बोझ माना जाता है और अक्सर इसके संभावित मूल्य को पहचाने बिना इसे ऐसे ही छोड़ दिया जाता है। हालांकि, सतत् अभ्यास और सर्कुलर इकोनॉमी पर बढ़ते फोकस के साथ, ओवरबर्डन के लिए वैकल्पिक उपयोग की खोज करने और इसे कचरे से कंचन में बदलने की दिशा में बदलाव आया है।

प्रथम पहल

इस तरह के रूपांतरण की पहली व्यावसायिक पहल सीआईएल की सहायक कंपनी वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) ने 2016-17 के दौरान अपनी खदान में की थी। महाराष्ट्र के नागपुर जिले के भानेगांव खदान में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया था, जहां विभाग की ओर से स्थापित की गई मशीनों के जरिए रेत निकाली जाती थी। इस मशीन की क्षमता 300 घन मीटर प्रतिदिन थी। निकाली गई रेत का गहन परीक्षण किया गया और अंततः उसे नदी तल से मिलने वाली रेत से बेहतर पाया गया। इसकी कीमत लगभग 160 रुपये प्रति घन मीटर थी, जो बाजार की तत्कालीन कीमत का लगभग 10 प्रतिशत थी। यह रेत प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत कम लागत वाले घर बनाने के लिए नागपुर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट को दी गई थी। इसके अलावा दो और विभागीय पहल भी शुरू की गई। पायलट परियोजनाओं की सफलता पर, डब्ल्यूसीएल ने नागपुर के पास गोंडेगांव खदान में देश के सबसे बड़े रेत उत्पादन संयंत्र को चालू करके रेत का व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया। यह इकाई बाजार मूल्य से लगभग आधी कीमत पर प्रतिदिन 2500 घन मीटर रेत का उत्पादन करती है।

सरकारी इकाइयों के साथ साझेदारी और स्थानीय बिक्री

नागपुर के सबसे बड़े रेत उत्पादक संयंत्र से उत्पादित रेत का बड़ा हिस्सा बाजार मूल्य के एक तिहाई पर एनएचएआई, एमओआईएल, महा जेनको जैसी सरकारी इकाइयों और अन्य छोटी इकाइयों को दिया जा रहा है। बाकी रेत को बाजार में खुली नीलामी के माध्यम से बेचा जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को काफी सस्ती कीमत पर रेत मिल रही है।

कचरे से कंचन- एक आदर्श बदलाव

ओवरबर्डन, जिसे कभी अपशिष्ट या बेकार पदार्थ समझा जाता था, अब उसे एक मूल्यवान संसाधन माना जा रहा है। रेत प्रसंस्करण इकाइयां भी जबरदस्त रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में स्थानीय आबादी न केवल उत्पादन इकाई में, बल्कि ट्रकों के माध्यम से उपभोक्ताओं तक रेत को ले जाने के लिए उसकी लोडिंग और आपूर्ति जैसी कार्यों में शामिल हो रही है।

विस्तार की योजनाएं और समाज पर प्रभाव

इस सकारात्मक दृष्टिकोण और ओवरबर्डन के वैकल्पिक उपयोग की खोज के एक भाग के रूप में, सीआईएल ने देश के पूर्वी और मध्य भाग में अपनी सहायक कंपनियों में कई ओवरबर्डन प्रसंस्करण संयंत्र और रेत उत्पादन संयंत्र चालू किए हैं।

इस स्थायी प्रयास के हिस्से के रूप में, कोयला सार्वजनिक उपक्रम में ओवरबर्डन से नौ रेत उत्पादन/ प्रसंस्करण संयंत्र पहले से ही उत्पादन में हैं, जिनमें से चार एससीसीएल में, तीन डब्ल्यूसीएल में और एक-एक एनसीएल और ईसीएल में हैं। इन रेत उत्पादन/ प्रसंस्करण संयंत्रों की कुल वार्षिक क्षमता लगभग 5.5 मिलियन क्यूबिक मीटर प्रति वर्ष है। इसके अलावा, सीआईएल की विभिन्न सहायक कंपनियों में ओवरबर्डन से रेत उत्पादक चार संयंत्र निविदा के विभिन्न चरणों में हैं। लिग्नाइट उत्पादक कंपनी एनएलसीआईएल भी दो रेत उत्पादक संयंत्र लगा रही है। इन सभी नए आगामी संयंत्रों की कुल वार्षिक रेत उत्पादन क्षमता लगभग 1.5 मिलियन क्यूबिक मीटर प्रति वर्ष होगी।

भविष्य का मार्ग

अग्रणी पहलों के माध्यम से, कोयला/ लिग्नाइट सार्वजनिक उपक्रम रेत उत्पादन और खपत के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण का नेतृत्व कर रहे हैं, जो पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक कल्याण में योगदान दे रहा है। कोयला मंत्रालय किफायती मूल्य पर ओवरबर्डन से और भी अधिक मात्रा में रेत का उत्पादन करने के लिए कोयला/ लिग्नाइट सार्वजनिक उपक्रम को लीक से हटकर इस पहल को शुरू करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। अगले कुछ वर्षों में, प्रौद्योगिकी की प्रगति और हमारे देश में विभिन्न स्थानों में भारी मात्रा में होने वाले रेत उत्पादन के साथ, रेत के प्रति घन मीटर कीमत में काफी कमी आएगी, जिससे आम आदमी को निर्माण उद्देश्य के लिए सस्ती रेत उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे नदी तल की रेत के इस्तेमाल को भी कम करने में मदद मिलेगी, जो बदले में पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद होगा।

लेखक पूर्व सीएमडी, वेस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड हैं

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

एफपीओ के प्रमुख किसानों के लिए आयोजित हुआ दो दिवसीय प्रशिक्षण

रायगढ़। कृषि विज्ञान केंद्र रायगढ़ में 3 एवं 4 अगस्त को ईएसएएफ फाउंडेशन के बैनर तले सारंगढ़ जिले से एफ्पीओ बीएमके बरमकेला एवं रायगढ़ जिले से धरमजयगढ़ विकासखंड से कबिरांचल एफ्पीओ के मुख्य किसानों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में मृदा स्वास्थ्य प्रबन्धन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, जल प्रबन्धन, उद्यानिकी फसलों की उन्नत खेती, मशरूम उत्पादन एवं कृषि व्यवसाय एवं प्रबंधन आदि विषय पर विस्तार से जानकारी एवं प्रक्षेत्र भ्रमण तथा प्रैक्टिकल अनुभव भी प्रदान किया गया। ईएसएएफ फाउंडेशन की कोऑर्डिनेटर कु.ज्योति साहू के नेतृत्व में दोनों एफ्पीओ के 30-30 मुख्य किसानों को कृषि तकनीकों के अंगीकरण एवं बिजनेस प्लान को मजबूत एवं मुख्य धारा में अग्रसर करने के लिए जिले में संचालित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र रायगढ़ में कृषि वैज्ञानिकों से चर्चा-परिचर्चा हेतु तकनीकी प्रशिक्षण आयोजित कराया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ.बी.एस.राजपूत के मार्गदर्शन तथा कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं मृदा वैज्ञानिक डॉ.के.डी.महंत के प्रयास एवं डॉ.मनीषा चौधरी,डॉ.के.के.पैंकरा, डॉ.सविता आदित्य, डॉ.सोलंकी, डॉ नानक, डॉ पटेल, शांडिल्य, डॉ साहू एवं सभी स्टाफ के तकनीकी सहयोग से प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्य न्यायमूर्ति डब्ल्यू ए शिशॉक का इम्फाल में निधन

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के प्रथम माननीय मुख्य न्यायमूर्ति डब्ल्यू. ए. शिशॉक के दुखद निधन पर उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा, न्यायाधिपतिगण, अतिरिक्त महाधिवक्ता राघवेन्द्र प्रधान, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक परिषद के प्रतिनिधि प्रफुल्ल एन. भारत, डिप्टी सॉलिसिटर जनरल रमाकान्त मिश्रा, हाईकोर्ट अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अब्दुल वहाब खान, अधिवक्तागण तथा रजिस्ट्रार जनरल सहित रजिस्ट्री के समस्त अधिकारीगणों की संयुक्त उपस्थिति में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्य न्यायमूर्ति डब्ल्यू. ए. शिशॉक का दुखद निधन 03 अगस्त, 2023 को 82 वर्ष की उम्र में इम्फाल में हुआ। उनका जन्म 01 जनवरी, 1941 को मणिपुर के उखरूल जिले के आदिवासी गांव में हुआ था। उन्होंने 1963 में स्नातक करने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. की परीक्षा उत्तीर्ण कर सन् 1967 से वकालत प्रारंभ किया। वे संवैधानिक एवं प्रशासनिक मामलों में दक्ष थे। वे नागालैण्ड सरकार के वरिष्ठ शासकीय अधिवक्ता के रूप में कार्यरत थे एवं नागालैण्ड अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष भी रहे। इनकी प्रथम नियुक्ति न्यायाधीश के रूप में 02 जनवरी, 1989 को गोहाटी उच्च न्यायालय के कोहिमा बेन्च में हुई।

देश के सभी केंद्रीय भंडार स्टोर्स पर अब उपलब्ध होंगे छत्तीसगढ़ हर्बल के उत्पाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जंगलों की प्राकृतिक शुद्धता की पूरे देश में बिखरेगी छटायह छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक क्षण है, जब वनवासियों के सतत् विकास, आजीविका और महिला सशक्तिकरण की दिशा में तीन सरकारी संस्थान साथ आए हैं। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वन उपज सहकारी संघ, आईआईएम रायपुर और केंद्रीय भंडार ने छत्तीसगढ़ हर्बल्स को लेकर एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया है।

इस एमओयू के तहत सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लॉइज को-ऑपरेटिव के सभी केंद्रीय भंडार स्टोर्स पर अब छत्तीसगढ़ हर्बल्स के उत्पाद उपलब्ध होंगे। प्रदेश की स्व-सहायता समूह की महिलाओं के आर्थिक विकास और समृद्ध भविष्य के लिए यह तीनों संस्थाएं मिलकर काम करेंगी, इससे वनवासी ग्रामीण महिलाओं और वन संग्राहकों की मेहनत को अब देश भर में नई पहचान मिलेगी।

इस एमओयू का सबसे बड़ा लाभ वनवासी महिलाओं को मिलेगा, जो हर दिन कड़ी मेहनत, लगन और विश्वास से छत्तीसगढ़ हर्बल्स के उत्पाद बना रही हैं। इनके बनाए उत्पादों को राष्ट्र व्यापी बाजार सुलभता से उपलब्ध होगा। छत्तीसगढ़ हर्बल्स भारत का पहला लघु वनोपज आधारित ब्रांड बनने की दिशा में तेजी से विकसित हो रहा है। प्रदेश के जंगलों की प्राकृतिक शुद्धता अब पूरे देश में पहुंचेगी और राज्य की इन वनवासी महिलाओं को अतिरिक्त आमदनी होगी। वे स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ेगी।

आदिवासी महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा बनाए गए छत्तीसगढ़ हर्बल्स के उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए आईआईएम रायपुर केंद्रीय भंडार के कर्मचारियों को रिटेल मैनेजमेंट का प्रशिक्षण प्रदान करेगा। केन्द्रीय भंडार को आईआईएम रायपुर की प्रशिक्षण विशेषज्ञता से लाभ होगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में राज्य में लघु वनोपजों के संग्रहण के साथ-साथ उनके प्रसंस्करण तथा विपणन आदि की सुगम व्यवस्था के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

एमओयू पर हस्ताक्षर के अवसर पर सीजीएमएफपी फेडरेशन के प्रबंध निदेशक श्री अनिल राय ने कहा कि ये छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है कि तीन बड़ी सरकारी संस्थाएं ग्रामीण महिलाओं के बनाए उत्पाद छत्तीसगढ़ हर्बल्स की बिक्री के लिए सहयोग करेंगे। जिससे स्व-सहायता समूह की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होंगी।

आईआईएम रायपुर के निदेशक डॉ. राम कुमार काकानी ने कहा कि आईआईएम रायपुर पूर्ण रूप से छत्तीसगढ़ के आदिवासियों की आजीविका की समृद्धि में सहयोग करेगा। हमारे विशेषज्ञों की टीम केंद्रीय भंडार के कर्मचारियों और राज्य लघु वनोपज संघ के साथ मिलकर निरंतर बेहतर काम करने के लिए संकल्पित है। केंद्रीय भंडार के प्रबंध निदेशक डॉ. मुकेश कुमार ने वीडियो के माध्यम से शुभकामनाएं संदेश में कहा कि हमारे और पूरे देश के लिए यह स्वर्णिम अवसर है कि अब छत्तीसगढ़ आदिवासी भाई-बहनों के बनाएं प्रोडक्ट देशभर के केंद्रीय भंडार स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे। आईआईएम रायपुर के विशेषज्ञ दिल्ली आकर केंद्रीय भंडार के कर्मचारियों को ट्रेनिंग देंगे। छत्तीसगढ़ हर्बल्स के उत्पाद के प्रमोशन और बिक्री से हम उन लाखों वनवासियों को आर्थिक सशक्त करने के लिए सहयोग करेंगे।

प्रत्येक ग्राम पंचायत में वसुधा वंदन कार्यक्रम में रोपे जाएंगे कम से कम 75 पौधे

श्रीकंचनपथ न्यूज

मोहला। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन में जिले में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम अंतर्गत मेरी माटी, मेरा देश, वसुधा वंदन कार्यक्रम तहत वृक्षारोपण किया जाएगा। जिसके तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम 75 स्वदेशी पौधे लगाए जाएंगे। इस गतिविधि का आयोजन 9 अगस्त से 15 अगस्त तक संचालित होगा। अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में वीरों को याद करते हुए शिलापलकम लगाया जाएगा और पंचप्राण शपथ ली जाएगी। आयोजित कार्यक्रम के साथ सेल्फी अपलोड की जाएगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज के बाद राष्ट्रगान का भी आयोजन किया जाएगा। अभियान को लेकर सभी जनपद पंचायत को पत्र जारी कर आवश्यक तैयारियां करने को लेकर निर्देश दिए हैं।

आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान मेरी माटी, मेरा देश, अभियान के तहत माटी को नमन, वीरों का वंदन इसकी टैगलाइन है। वसुधा वंदन कार्यक्रम के तहत जनभागीदारी से प्रत्येक गांव में कम से कम 75 पौधारोपण किया जाना है। अमृत सरोवर पर जिस प्रकार पौधरोपण किया जा रहा है और इनकी देखरेख एवं रखरखाव संबंधित ग्राम एवं ग्राम पंचायत के ग्रामीणों द्वारा ही की जा रही है। इसी तरह इस अभियान के तहत स्वदेशी पौधे वन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग के महात्मा गांधी नरेगा द्वारा तैयार नर्सरी के द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। अमृत सरोवर तालाब के आसपास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिस ग्राम पंचायत में अमृत सरोवर नहीं है ऐसी स्थिति में किसी भी जलाशय के आसापास, पंचायत भवन, स्कूल, ऐसी भूमि जहां पर वृक्षारोपण के लिए पर्याप्त स्थल उपलब्ध हो तथा चारों ओर से बाउण्ड्री बनी हो वहां पर पौधे लगाए जाएंगे।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत गांव की मिट्टी को एकत्रित करते हुए दिल्ली में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में भेजा जाएगा। इस दौरान पवित्र मिट्टी को हाथ में लेकर शपथ लेते हुए अपनी सेल्फी को वेबसाइट पर अपलोड भी किया जाएगा। अभियान के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी होगा। जिसमें पंचप्रण प्रतिज्ञा ली जाएगी, वसुधा वंदन के तहत पौधें रोपे जाएंगे साथ ही वीरों के नामपट्टी शिलाफलकम लगाया जाएगा। वीरों, स्वतंत्रता संग्राम सैनिकों का वंदन किया जाएगा।

समाज सेवियों ने बांटा रेनकोट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आज शिव जी अर्पण सेवा समिति द्वारा हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी बढ़ते मानसून को देखते हुए। भिलाई नगर सेक्टर -2 के बेकलाइन की सफाई करने वाले कर्मचारी जो भीगते बारिश में भी अपना कार्य निष्ठा से करते हैं। उन्हें समिति के द्वारा आज रेनकोट वितरण किया गया। जिससे बढ़ते बारिश से उन्हें राहत मिल सके। समिति ने निर्णय भी लिया है की बरसात मौसम भर ये अभियान जारी रखेंगे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से समिति के अध्यक्ष रोहन कुमार मून, उपाध्यक्ष विनोद कौशिक, सचिव कृष्णा चौहान, संयुक्त सचिव रोमन सिंह, कोषाध्यक्ष सोनू सिंह, सदस्य सोनू निर्मलकर, उज्ज्वल टंडन, यश गुप्ता, योगेश रावत एवं समिति के समस्त सदस्य उपस्थित थे।

कृषि मंत्री ताम्रध्वज साहू ने फसल बीमा जागरूकता रथों को किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

सभी किसानों से 16 अगस्त तक फसल बीमा कराने की अपील

दुर्ग। कृषि मंत्री ताम्रध्वज साहू ने आज दुर्ग स्थित अपने निवास कार्यालय से राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा के प्रचार-प्रसार के लिए 8 जागरूकता रथों को रवाना किया। किसान राज्य में खरीफ फसलों का ज्यादा से ज्यादा बीमा कराएं, इसके लिए यह जागरूकता रथ गांव-गांव घूमकर किसानों को बीमा संबंधी जानकारी देंगे।

उल्लेखनीय है कि राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत प्राकृतिक आपदाओं, कीट और रोगों के कारण फसल नष्ट होने की स्थिति में किसानों को बीमा कव्हरेज और इसकी सहायता प्रदान की जाती है, ताकि कृषि में होने वाले नुकसान की भरपाई हो सके। राज्य में खरीफ फसलों के अंतर्गत धान सिंचित एवं असिंचित, मक्का, सोयाबीन, अरहर, मूंग एवं उड़द अधिसूचित फसलें हैं, जिनका बीमा किसान करा सकते हैं।

उक्त फसलों का बीमा कराने के लिए किसानों को प्रीमियम राशि का मात्र 2 प्रतिशत राशि देनी होती है, शेष राशि का वहन शासन द्वारा किया जाता है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के राज्य प्रभारी ने बताया कि अब तक राज्य के 10 लाख 52 हजार 308 किसान अपनी फसलों का बीमा करा चुके हैं। कृषि विभाग ने शत-प्रतिशत किसानों से अपनी फसलों का बीमा 16 अगस्त तक कराने जाने की अपील की है, ताकि जोखिम से बचा जा सके।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति की हुई बैठक

जिले की पैक्स समितियां मल्टीएक्टीविटी सेंटर के रूप में विकसित होंगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति की प्रथम बैठक को रेडक्रास सभा कक्ष रायपुर में आयोजित की गई। समिति के समन्वयक एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं रायपुर एन. आर. के. चन्द्रवंशी के द्वारा बैठक का एजेण्डा समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिसमें प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) को मल्टी एक्टीविटी सेंटर के रूप में विकसित करने निर्णय लिया गया।

इसमें डेयरी, मत्स्यिकी, अनाज भण्डारण, प्रोसेसिंग, एल.पी.जी. सी.एन.जी पेट्रोल, डीजल, सामान्य सेवा केन्द्र, जन औषधि केन्द्र आदि विभिन्न प्रकार की सेवाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा। इससे पैक्स एवं उसके सदस्यों के आय के स्त्रोत बढ़ेंगे एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इन योजनाओं का क्रियान्वयन विभिन्न विभागों जैसे मत्स्य पालन, पशुपालन, कृषि, खाद्य, स्वास्थ्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी नाबार्ड आदि की सहभागिता एवं तकनीकी मार्गदर्शन के आधार पर करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में आदर्श उपविधियों को अंगीकार करने की स्थिति एवं उक्त संबंध में कार्यालय उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं रायपुर द्वारा की गई कार्यवाही का अवलोकन किया गया। आदर्श उपविधियों को अंगीकार उपरान्त प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति (पैन्स) को बहुआयामी बहुउद्देशीय एवं जीवंत आर्थिक संस्थाओं के रूप में विकसित किया जा सकेगा।

इस दिशा में अग्रसर होते हुए राष्ट्रीय स्तर पर समस्त पैकरा / लैम्पस को एकल राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर नेटवर्क के माध्यम से नाबार्ड के साथ लिंक किया जा रहा है। इस हेतु रायपुर जिले की रामी 128 पैक्स द्वारा कम्प्यूटरीकरण के लिए आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। भारत सरकार के सहकार से समृद्धि के विजन को साकार करने के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से मैक्स स्तर पर गोदाम निर्माण, कस्टम हायरिंग सेंटर, प्रोसेसिंग यूनिट उचित मूल्य की दुकान आदि का निर्माण किया जाना है। इस हेतु नाबार्ड एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक से परामर्श एवं मार्गदर्शन के अनुसार कार्यवाही किये जाने का निर्णय लिया गया। पैक्स समितियों को कॉमन सर्विस सेंटर के रूप में विकसित किये जाने हेतु रायपुर जिले की 128 पैक्स के में समितियां ई-सेवाएं प्रदान करने हेतु सहमति दे चुके है। प्रधानमंत्री जनऔषधि केन्द्र संचालित करने के लिए रायपुर जिले में 5 पैक्स समितियों का चयन किया गया है। इन समितियों द्वारा जनऔषधि केन्द्र संचालन हेतु ऑनलाईन आवेदन किया जा चुका है। पैक्स समितियों को प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्रों के रूप में भी कार्य करने का निर्णय लिया गया है।

पेट्रोल / डीजल / एल.पी.जी. डीलरशीप / डिस्ट्रीब्यूटरशिप के लिए पात्र पैक्स समितियों में केन्द्र सरकार की योजना को क्रियान्वित करने और ग्रामीण क्षेत्रों में नल जल योजना का संचालन एवं संधारण पैक्स के द्वारा किये जाने के संबंध में सहमति हुई। जिले की समितियों में धन राशि की आवश्यकता को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को आवेदन करने और सहकारी समितियों को शिक्षा एवं प्रशिक्षण के माध्यम से मजबूत आर्थिक संस्था बनाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने का निर्णय लिया गया।

विश्व आदिवासी दिवस 9 को

मोहला। प्रदेश में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले में भी विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित स्थानीय दशहरा मैदान में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर ने अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। सौंपी गई जिम्मेदारी के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था के लिए पुलिस अधीक्षक को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार की आवश्यक टेंट माइक एवं पंडाल की व्यवस्था स्थानीय जनप्रतिनिधि, गुलदस्ता द्वारा स्वागत आदि के लिए सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग को जिम्मेदारी दी गई है।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

शिक्षा में रचनात्मकता को बढ़ावा दिया जाये: राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रचनात्मकता शिक्षा की वास्ताविक क्षमता को उजागर करने की कुंजी है। शिक्षा में रचनात्मकता की शक्ति का उपयोग करने के लिए, हमें ऐसे वातावरण को बढ़ावा देना चाहिए जो प्रयोग और जोखिम लेने को प्रोत्साहित करे। शिक्षकों को रचनात्मक शिक्षण विधि से पढ़ाने के लिए सशक्त बनाया जाना चाहिए। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने भोपाल में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय साहित्य उत्सव में आयोजित परिचर्चा में उक्त विचार व्यक्त किया।

संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं साहित्य अकादमी द्वारा रवींद्र भवन भोपाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय साहित्य उत्सव ''उन्मेष'' के अंतर्गत आज रचनात्मकता बढ़ाने वाली शिक्षा विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई थी। जिसमें राज्यपाल श्री हरिचंदन बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुये।

परिचर्चा में राज्यपाल श्री हरिचंदन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रचनात्मकता अकादमिक विषयों की गहरी समझ को बढ़ावा देती है। जब छात्रों को रचनात्मक रूप से सोचने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो वे रटने तक ही सीमित नहीं रहते हैं, बल्कि वे विभिन्न दृष्टिकोणों का पता लगाते हैं और विभिन्न समाधानों के साथ प्रयोग करते हैं। यह प्रक्रिया उनके महत्वपूर्ण सोच कौशल को बढ़ाती है और उन्हें जटिल अवधारणाओं को अधिक आसानी से समझने में सक्षम बनाती है। इसके अलावा, रचनात्मकता जिज्ञासा पैदा करती है। यह विद्यार्थियों को अपने आसपास की दुनिया

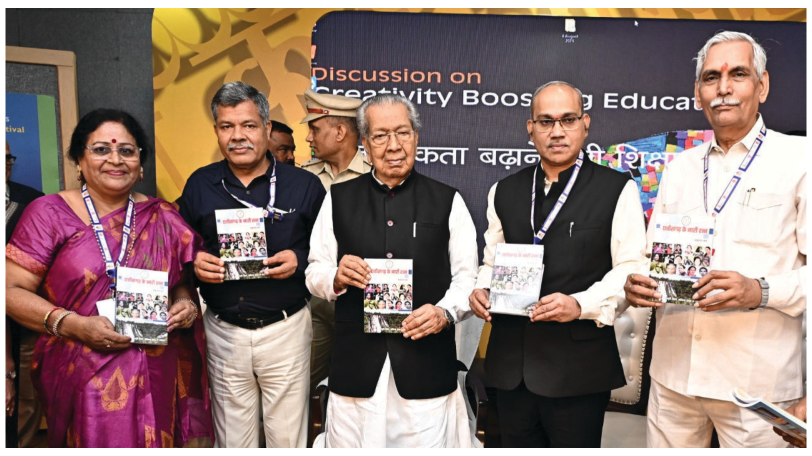

पर सवाल उठाने और पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं से परे उत्तर खोजने के लिए मजबूर करता है। उनकी सहज जिज्ञासा को पोषित करने से शिक्षा एक कठिन कार्य के बजाय मनोरंजक बन जाती है। जिज्ञासु दिमाग सीखने के लिए अधिक व्यस्त और प्रेरित होते हैं, जिससे शैक्षिक अनुभव अधिक सार्थक और स्थायी हो जाता है।

राज्यपाल ने आगे कहा कि जब विद्यार्थियों को लीक से हटकर सोचने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो वे असफलताओं को सफ्लता की सीढ़ी के रूप में स्वीकार करना सीखते हैं। वे समझते हैं कि गलतियां डरने की चीज नहीं हैं बल्कि मूल्यवान सबक हैं जिनका उपयोग उनके विचारों और दृष्टिकोणों को परिष्कृत करने के लिए किया जा सकता है। यह लचीलापन एक आवश्यक जीवन कौशल है जो कक्षा से परे जाकर उन्हें अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है।

जब कला, लेखन या किसी अन्य रचनात्मक माध्यम के माध्यम से खुद को अभिव्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो उनमें अपनी भावनाओं और दूसरों की भावनाओं की गहरी समझ विकसित होती है। यह सहानुभूति एक अधिक दयालु समाज की मजबूत नींव बनाती है। श्री हरिचंदन ने शिक्षको, माता-पिता और समाज से अपील करते हुए कहा कि शिक्षा में रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए सभी साथ मिलकर काम करें और हमारे बच्चों के जीवन और उनके द्वारा आकार दी जाने वाली दुनिया पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव को देखें।

परिचर्चा कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने की। अन्य वक्ताओं के रूप में चक्रधर त्रिपाठी, गिरीश्वर मिश्र, गोविंद प्रसाद शर्मा, शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित और वी. कामकोटि उपस्थित रहे।

खास खबर...

छत्तीसगढ़ में अब तक 602.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2023 से अब तक राज्य में 602.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2023 से आज 04 अगस्त सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1049.0 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 282.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 545.3 मिमी, बलरामपुर में 483.0 मिमी, जशपुर में 476.7 मिमी, कोरिया में 590.5 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 600.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

इसी प्रकार, रायपुर जिले में 711.8 मिमी, बलौदाबाजार में 599.2 मिमी, गरियाबंद में 852.6 मिमी, महासमुंद में 652.4 मिमी, धमतरी में 620.3 मिमी, बिलासपुर में 620.2 मिमी, मुंगेली में 781.9 मिमी, रायगढ़ में 665.3 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 525.7 मिमी, जांजगीर-चांपा में 487.3 मिमी, सक्ती में 488.6 मिमी, कोरबा में 600.5 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 561.2 मिमी, दुर्ग में 486.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 481.0 मिमी, राजनांदगांव में 677.7 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 775.1 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 624.8 मिमी, बालोद में 671.3 मिमी, बेमेतरा में 467.1 मिमी, बस्तर में 630.1 मिमी, कोण्डागांव में 463.7 मिमी, कांकेर में 551.6 मिमी, नारायणपुर में 542.3 मिमी, दंतेवाड़ा में 725.3 मिमी और सुकमा में 863.4 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

अग्रसेन महाविद्यालय में वृक्ष-मित्र दिवस आयोजित

रायपुर (ए)। अग्रसेन महाविद्यालय पुरानी बस्ती में शनिवार को वृक्ष मित्र दिवस दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों और उपस्थित विद्यार्थियों ने मिलकर पौधारोपण किया। साथ ही सभी ने पेड़-पौधों की रक्षा का संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के अध्यक्ष तथा महाविद्याय के डायरेक्टर डॉ वी.के. अग्रवाल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पर्यावरण की स्थिति जिस तरह से प्रभावित हो रही है, उसमें हम सभी के लिए यह आवश्यक है कि हम पेड़-पौधों के संरक्षण के प्रति विशेष ध्यान दें। महाराजाधिराज अग्रसेन शिक्षण समिति के सचिव एवं महाविद्यालय के एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. अमित अग्रवाल ने कहा कि प्रकृति की रक्षा से ही हमारा जीवन सुरक्षित है। प्राचार्य डॉ युलेंद्र कुमार राजपूत ने कहा कि महाविद्यालय परिसर में पर्यावरण और प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष रूप से प्रयास किये जाते हैं। इससे छात्रों को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक करने में मदद मिलती हैं। उन्होंने भी युवाओं को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए ऐसे प्रयासों की जरुरत बताई।

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूलों में लाखों बेटे-बेटियों की जिंदगी संवर रही

3 लाख 90 हजार बच्चों को मिल रही है उत्कृष्ट शिक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की परिकल्पना अब साकार हो रही है प्रदेश की स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी और हिंदी माध्यम स्कूल से लाखों बेटे, बेटियों की जिन्दगी संवर रही है। इसका लाभ सुदूर वनांचल हो या मैदानी जिले में आधुनिक शिक्षा की उजली तस्वीर देखने को मिल रही है। प्रदेश में वर्तमान सत्र 2023--24 में 377 अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय तथा 349 हिंदी माध्यम विघालय कुल 726 स्कूल संचालित किए जा रहे है। स्कूल में 1 लाख 70 हजार बच्चे अंग्रेजी माध्यम और 2 लाख 20 हजार बच्चे हिन्दी माध्यम में पढ़ाई कर रहे है। राज्य सरकार की पहल से आज सुदूर अंचल के बच्चों को भी अंग्रेजी माध्यम स्कूल में खेलने के लिए बढ़िया मैदान, आधुनिक प्रयोगशाला, पुस्तकालय, जैसी सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलकर अनेक पालकों के आर्थिक बोझ को कम कर दिया जिससे पालकों के मन की चिन्ता की लकीर दूर हो गई। आज अंग्रेजी माध्यम स्कूल में पढ़ाई करके बच्चे अपनी प्रतिभा निखार रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आर्थिक रूप से कमजोर तबकों के बच्चों का आत्मविश्वास और स्वाभिमान बढ़ाया है।

अंग्रेजी विघालयों में अध्ययनरत विद्यार्थीयों ने बोर्ड परीक्षाओं में मेरिट में अपना स्थान बनाया है। इन विघालयों में स्मार्ट क्लास, सुंदर भवन मार्डन पुस्तकालय, खेल मैदान, उत्कृष्ट प्रयोगशाला लैब आदि का बेहतर संचालन किया जा रहा है। जिससे प्रदेश में शासकीय विघालयों के प्रति बच्चों और पालकों के मन में लोकप्रियता बढ़ी है। स्वामी आत्मानंद विघालयों के संचालन से निर्धन गरीब वर्ग के बच्चों को उच्च गुणवत्ता के अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा प्राप्त होने से पालकों में बहुत उत्साह है। जिसके कारण सभी जगह से और भी आत्मानंद स्कूल खोले जाने की मांग लगातार हो रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में निजी और सरकारी शालाओं के बीच के अंतर को कम करने और बच्चों को बराबरी के अवसर देने के लिए यह योजना शुरू की है।

लगातार बारिश से राज्य के सभी बांधों में जलस्तर बढ़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश से राज्य के 12 बड़े प्रमुख जलाशय में 78.51 और 34 मध्यम जलाशय में 77.86 प्रतिशत जल भराव हो चुका है। इस तरह राज्य के बड़े और मध्यम जलाशयों में कुल 6360.23 मिलीयन क्यूबिक मीटर के विरुद्ध 4986.93 मिलीयन क्यूबिक मीटर जल भराव हो चुका है।

जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक बड़े जलाशयों में शामिल मुंगेली जिले के मनियारी जलाशय में शत प्रतिशत जल भराव हो चुका है। इसी तरह कोरबा जिले के मिनीमाता-बांगो, बालोद के तांदुला, कांकेर के दुधावा, बिलासपुर के खारंग और गरियाबंद के सिकासेर में 80 प्रतिशत से अधिक का जलभराव हो चुका है। धमतरी के रविशंकर जलाशय (गंगरेल) में 75.20 प्रतिशत जल भराव हो चुका है।

कैचमेंट एरिया से लगातार पानी की आवक होने के कारण कुछ बांधों से पानी भी छोड़ा जा रहा है। जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक मध्यम जलाशय में शामिल बालोद के खरखरा, कबीरधाम के छिरपानी, राजनांदगांव के पिपरिया नाला, दुर्ग के खपरी जलाशय में शत प्रतिशत जल भराव हो चुका है। इसी तरह बालोद के गोंदली, कबीरधाम के सुतियापाट और कर्रानाला, राजनांदगांव के मटियामोती और धारा, कोरिया के झुमका तथा सरगुजा के बरनई जलाशय में 90 प्रतिशत से अधिक का जलभराव हो चुका है। इसके अलावा राजनांदगांव के रुसे और घुमरिया, रायपुर के पेंड्रावन, सरगुजा के कुंवरपुर, कबीरधाम के सरोदा, बलौदाबाजार के बलार और रायगढ़ के केदार में 75 प्रतिशत से अधिक का जलभराव हो चुका है।

शार्क टैंक की तर्ज पर रायपुर में पिचाथॉन

रायपुर। राज्य के ग्रामीण शहरी इलाकों के युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए शार्क टैंक की तर्ज पर पिचाथॉन का आयोजन रायपुर में किया जाएगा। ग्रामीण औद्योगिक पार्कों से जुड़े रोजगार-आजीविका मूलक कामों के साथ स्थानीय स्टार्टअप को आगे बढ़ाने में इस पिचाथॉन की बडी भूमिका होगी। स्थानीय युवा उद्यमियों को अपना व्यवसाय शुरू करने और उसे सफलता पूर्वक आगे बढ़ाने के लिए जरूरी मार्गदर्शन और सलाह भी पिचाथॉन में मिलेगी। इस आयोजन में प्रदेश के युवा उद्यमी और स्टार्टअप अपने बिजनेस आईडिया सफल उद्यमियों और निवेशकों को बताएंगे। पसंद आने पर रूचि अनुसार निवेश इस पिचाथॉन के स्टार्टअप और बिजनेस आईडिया में निवेश भी कर सकते हैं। रायपुर जिले के रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क (रीपा), आईआईटी और एनआईटी के साथ मिलकर हेडस्टार्ट नेटवर्क फाउंडेशन द्वारा इस पिचाथॉन का आयोजन किया जा रहा है।

प्राकृतिक पेंट के विक्रय से 4.78 करोड़ रुपए की आय

रायपुर। गौठानों में विविध आयमूलक गतिविधियों के संचालन के साथ-साथ गोबर से प्राकृतिक पेंट का उत्पादन तेजी से होने लगा है। वर्तमान में गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने के लिए 51 यूनिटें स्थापित की जा चुकी है, जिसमें से 49 यूनिटों में गोबर से प्राकृतिक पेंट उत्पादन किया जा रहा है। क्रियाशील यूनिटों के माध्यम से अब तक 2,03,483 लीटर प्राकृतिक पेंट, 1,00,427 लीटर डिस्टेम्पर तथा 9064 किलो पुट्टी का उत्पादन किया गया है, जिसमें से 1,66,020 लीटर प्राकृतिक पेंट, 68,260 लीटर डिस्टेम्पर तथा 2840 किलो पुट्टी के विक्रय से कुल 4 करोड़ 78 लाख 37 हजार रुपए की आय हुई है।

गौठानों में 9.02 लाख रुपये का गौमूत्र क्रय

रायपुर। गोधन न्याय योजना के तहत गौठानों में 4 रुपए लीटर की दर से अब तक 2 लाख 25 हजार 507 लीटर गौमूल क्रय किया गया है जिसका मूल्य 9 लाख 2 हजार 28 रुपए है। गौठानों में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा गौमूत्र से अब तक 96,968 लीटर कीट नियंत्रक ब्रम्हास्त्र और 35,290 लीटर वृद्धिवर्धक जीवामृत का उत्पादन किया जा चुका है, जिसका विक्रय किया जा रहा है। इससे राज्य में जैविक खेती को बढ़ावा मिल रहा है। राज्य के किसानों द्वारा अब तक 93,777 लीटर जैविक कीटनाशक ब्रम्हास्त्र और 33,193 लीटर वृद्धिवर्धक जीवामृत क्रय कर खेती में उपयोग किया गया है। जिससे समूहों को कुल 59 लाख 4 हजार 475 रुपए की आय हुई है।

फसल बीमा रथ को कलेक्टर डॉ. भुरे ने दिखाई हरी झंडी

गांव-गांव रथ के माध्यम से किसानों को फसल बीमा कराने दिया जाएगा संदेश

कलेक्टर की अपील: 16 अगस्त तक किसान भाई कराएं अपनी फसलों का बीमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना प्रचार-प्रसार हेतु कलेक्टर द्वारा रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। जिले के लिए एचडीएफसी जनरल इंश्योरेंस कंपनी को बीमा हेतु चयनित किया गया है। योजना के माध्यम से जिला रायपुर हेतु खरीफ में मुख्य फसल-धान सिंचित एवं असिंचित के साथ

अन्य फसल-मक्का, कोदों, कुटकी, रागी, सोयाबीन, मूंगफली, तुअर (अरहर), मूंग एवं उड़द को अधिसूचित किया गया है तथा बीमा आवेदन की अंतिम तिथि 16 अगस्त तक निर्धारित की गई है।

कलेक्टर ने सभी किसान भाईयों से अपील की है कि किसान भाई समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए तत्काल अपनी फसलों का बीमा कराएं। बीमा करवाने के लिए क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से या बीमा कंपनी के प्रतिनिधि के माध्यम से या अपने नजदीकी बैंक शाखा को-ऑपरेटिव सोसायटी, पोस्ट ऑफिस एवं लोक सेवा केन्द्र से बीमा आवेदन कर सकते हैं। जिससे विपरीत परिस्थिति आने पर बीमा आवरण का लाभ मिल सके एवं हानि से बच सकें।

उल्लेखनीय है कि राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत प्राकृतिक आपदाओं, कीट और रोगों के कारण फसल नष्ट होने की स्थिति में किसानों को बीमा कव्हरेज और इसकी सहायता प्रदान की जाती है, ताकि कृषि में होने वाले नुकसान की भरपाई हो सके। खरीफ फसलों के अंतर्गत धान सिंचित एवं असिंचित, मक्का, सोयाबीन, अरहर, मूंग एवं उड़द अधिसूचित फसलें हैं, जिनका बीमा किसान करा सकते हैं। उक्त फसलों का बीमा कराने के लिए किसानों को प्रीमियम राशि का मात्र 2 प्रतिशत राशि देनी होती है, शेष राशि का वहन शासन द्वारा किया जाता है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

कॉट्न बड्स से कानों को साफ करना हम सेफ मानते हैं!

लेकिन हो सकते हैं यह नुकसान

कान हो या नाक। पानी, हवा, धूल मिट्टी से गंदगी जमने लगती है। कानों में जमा होने वाली गंदगी को ईयरवैक्स कहते हैं। कई लोग आज भी माचिस की तीली का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कुछ लोग कॉट्न ईयर बड्स का इस्तेमाल करते हैं। जब भी आप कान साफ करने के लिए तीली या लकड़ी का इस्तेमाल करते होंगे तो घर में कहा जाता है कि अरे कान का चादर फट जाएगा कॉट्न ईयर बड्स सेफ होता है उससे करना ठीक रहेगा। लेकिन आज अपने आर्टिकल के जरिए बताएंगे क्या कॉट्न बड्स वाकई में कान के लिए सेफ है। क्या इसके इस्तेमाल से कान सही में साफ हो जाता है। खासकर शहर में लोग कॉट्न बड्स का इस्तेमाल करते हैं। आइए जानते हैं इससे होने वाले नुकसान के बारे में।

कॉट्न बड्स से होते हैं ये नुकसान

डॉक्टर के मुताबिक कॉट्न बड्स से कान साफ करना ठीक नहीं होता है। कॉट्न बड्स को जब कान के अंदर डालते हैं तो वह गंदगी को बाहर निकालने के बजाय पीछे की तरफ धकेल देता है। जिससे कान में इंफेक्शन का रिस्क बढ़ जाता है। साथ ही साथ इससे कान जख्मी भी हो सकता है। कॉट्न बड्स से कान के अंदर की परत को भी नुकसान पहुंच सकता है। इससे आपकी सुनने की क्षमता को भी नुकसान पहुंच सकता है।

ईयर कैनाल में चली जाती है गंदगी

कान में ईयरवैक्स बनते हैं। यह एक तरह से कानों को प्रोटेक्ट भी करता है। लेकिन अगर यह जरूरत से ज्यादा बन जाए तो कानों को नुकसान भी पहुंचाता है। लोग कॉट्न बड्स से कान तो साफ कर लेते हैं लेकिन इसमें मौजूद गंदगी ईयर कैनाल के अंदर चली जाती है। जिसके कारण बैक्टीरिया का कान के अंदर जाने का रिस्क रहता है।

यह बैक्टीरिया इतने ज्यादा खतरनाक होते हैं कि इससे कान के पर्दे को खतरनाक नुकसान भी होने लगता है। शुरुआत में कान के अंदर बैक्टीरिया या गंदगी चला जाता है तो शुरुआत में पता नहीं चलता है और खुजली होने लगता है। ऐसे में गंदगी बढने् लगती है। जो कान के अंदर कई खतरनाक बीमारी कर सकती है। ऐसी स्थिति में कॉट्न बड्स का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। खासकर बच्चे और बुजुर्गों को तो भूल से कॉट्न बड्स का इस्तेमाल कान पर नहीं करना चाहिए।

खुद ही निकल जाता है कान का मैल

भगवान ने इंसान का शरीर ऐसा बनाया है जो एक टाइम के बाद खुद साफ हो जाता है। ऐसा ही कुछ मामला कान के साथ है। अगर आप उसे छोड़ देंगे तो वह खुद- ब- खुद साफ हो जाता है। एक टाइम के बाद इसमें होने वाले वैक्स खुद निकल जाते हैं। ऐसा एकदम जरूरी नहीं है कि आप हर रोज कान साफ करें।

कैसे करें कान की सफाई

कान की सबसे अच्छी सफाई है इसमें सबसे पहले तेल डालें। बेबी ऑयल बेहतर होता है। कान में तेल डालने से जो भी गंदगी होती है वह बाहर की तरफ आ जाती है, जिसे आप किसी भी कपड़े की मदद से आसानी से साफ कर सकते हैं। जरूरी नहीं है कि आप नहाते वक्त कान की साफ जरूर करें। क्योंकि नहाते वक्त कान में पानी चला जाता है।

अर्चना गौतम ले रही इंग्लिश की ट्यूशन, क्लासी दिखने के लिए बदल रही लुक

बिग बॉस 16 से घर-घर में मशहूर हुईं अर्चना गौतम ने कहा है कि वह फिलहाल खुद पर ध्यान दे रही हैं, इंग्लिश की ट्यूशन ले रही हैं, किताबें पढ़ रही हैं और नया लुक अपना रही हैं।

अर्चना गौतम बिग बॉस 16 की सबसे मजबूत कंटेस्टेंट्स में से एक बनकर उभरीं और अब उनके फैंस खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में उन्हें खतरनाक स्टंट करते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। खतरों के खिलाड़ी 13 के पहले एपिसोड की स्पेशल स्क्रीनिंग में सभी कंटेस्टेंट एक साथ नजर आए। अर्चना ने अपने अनुभव और भी बहुत कुछ के बारे में बताया।

अर्चना, जो इन दिनों बिल्कुल अलग अवतार में नजर आ रही हैं, ने कहा, मुझे लगता है कि जब कोई व्यक्ति किसी चीज में कदम रखता है, तो उसे हमेशा बढ़ना चाहिए। इसलिए वर्तमान में, मैं बढ़ रही हूं। मैं इंग्लिश ट्यूशन ले रही हूं, किताबें पढ़ रही हूं, खुद को क्लासी दिखाने के लिए नया लुक अपना रही हूं। मैं अब एक बेहतर एक्ट्रेस बनना चाहती हूं।

उन्होंने कहा, चूंकि शो की शूटिंग केपटाउन में है, विदेशी क्रू केवल इंग्लिश में बातचीत कर रहा है, जिससे मुझे कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। इसलिए मुझे एहसास हुआ कि अगर आप विदेश यात्रा कर रहे हैं तो अंग्रेजी जरूरी है।

शूटिंग के दौरान बनाए गए दोस्तों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं ऐश्वर्या और नायरा के सबसे करीब हो गई। लोग हमें त्रिमूर्ति कहते थे। शो में मैंने कई अच्छे दोस्त बनाए हैं।

ऐसी चर्चा है कि वह शो की फाइनलिस्ट में से हैं। उन्होंने कहा, इसके लिए सभी को एपिसोड देखना होगा। लेकिन हां, मैं कहूंगी कि मेरे फैन बिल्कुल भी निराश नहीं होंगे। मैंने अपने सभी स्टंट बहुत अच्छे से किए हैं। खतरों के खिलाड़ी 13 कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है।

चिरंजीवी की फिल्म भोला शंकर को मिला यू/ए सर्टिफिकेट

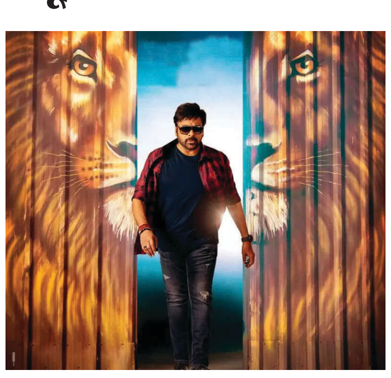

मेगास्टार चिरंजीवी की बहुप्रतीक्षित व्यावसायिक मनोरंजन फिल्म भोला शंकर 11 अगस्त को भव्य रिलीज के लिए तैयार है। मेहर रमेश द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कीर्ति सुरेश और तमन्ना भाटिया प्रमुख भूमिकाओं में हैं। पूरे जोरों पर प्रचार के साथ, हाल ही में अनावरण किए गए ट्रेलर को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

हालिया विकास में, फिल्म सेंसर औपचारिकताओं से सफलतापूर्वक गुजर गई और सीबीएफसी बोर्ड से यू/ए प्रमाणपत्र हासिल कर लिया। विशेष रूप से, चिरू की सभी पोस्ट-रीएंट्री फिल्मों को यू/ए प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। हालांकि फिल्म के रनटाइम का विवरण अभी तक सामने नहीं आया है, प्री-रिलीज इवेंट क्षितिज पर है।

जैसा कि प्रशंसकों को भोला शंकर के साथ चिरू की संभावित दूसरी हिट की उम्मीद है, कलाकारों की टोली में सुशांत, रघु बाबू, मुरली शर्मा, रविशंकर, वेनेला किशोर और बहुत कुछ शामिल हैं। एके एंटरटेनमेंट्स के रामब्रह्मम सुनकारा द्वारा निर्मित, फिल्म में महती स्वरा सागर का संगीत है। इस सिनेमाई असाधारण प्रदर्शन के लिए बने रहें।

देसी अंदाज में माहिरा शर्मा ने फैंस के दिलों को यूं किया घायल, कमर में साड़ी का पल्लू अटकाकर दिखाई अदाएं

टीवी इंडस्ट्री में अपनी एक्टिंग का लौहा मनाने वाली माहिरा शर्मा, पंजाबी इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेसेस में से एक हैं। माहिरा ने बिग बॉस के घर में खूब सुर्खियां बटोरी थीं। शो में एक्ट्रेस का नाम पारस छाबड़ा संग भी जुड़ा था। पारस छाबड़ा से ब्रेकअप के बाद से ही माहिरा अपने कातिलाना अंदाज और अपने बोल्ड लुक्स से फैंस को दीवाना बनाए हुए हैं। माहिरा ने हाल में अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की है, जिनमें उनका देसी लुक देखने के बाद फैंस अपना होश खो बैठे हैं। माहिरा शर्मा ने हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें वो काफी खूबसूरत और ग्लैमरस लग रही हैं। माहिरा शर्मा के देसी लुक और किलर अदाओं को देखन के बाद उनके फैंस के होश तक उड़ गए और उनकी इन तस्वीरों ने इंटरनेट का पारा बढ़ा दिया है। अपनी इन लेटेस्ट फोटोशूट में माहिरा शर्मा सिंपल ब्लैक साड़ी में कहर ढाने के साथ-साथ बेहद हसीन लग रही हैं। माहिरा सिंपल ब्लैक साड़ी, पर्पल ब्लाउज के साथ माथे पर काली बिंदी और हाथों में चूड़ियां पहने हुए है और उनकी ये तस्वीरें कहर बरपा रही हैं। ग्लॉसी मेकअप के साथ कमर में साड़ी का पल्लू अटकाकर माहिरा शर्मा अंगड़ाई लेते हुए हॉटनेस का तड़का लगाया। सिंपल चोटी...ब्लैक कलर की साड़ी और पर्पल ब्लाउज में माहिरा शर्मा बला की खूबसूरत लग रही हैं। माहिरा शर्मा की कातिलाना अदाएं फैंस को मदहोश कर रही हैं और उनका देसी लुक में यह अंदाज देखने लायक हैं। इंस्टाग्राम पर माहिरा शर्मा की ये तस्वीरें आते ही छा गई, जिन पर उनके फैंस जमकर अपना प्यार लुटा रहे हैं। इन तस्वीरों में माहिरा एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं और उनके फैंस को उनका ये लुक बेहद पसंद आ रहा है।

जूही चावला ने किया अपनी फिल्म फ्राइडे नाइट प्लान का ऐलान

भाई-बहन के साथ बड़ा होना अपने साथ कई उपहार लेकर आता है। यह किसी को गहराई से प्यार करने और उससे नफरत करने की क्षमता सिखाता है। ज़ोर-शोर से लड़ना, लेकिन फिर उनके बचाव में आने या एक इकाई के रूप में टीम बनाने के लिए किसी भी हद तक जाना। यह अटूट बंधन दर्शकों को आगामी फिल्म फ्राइडे नाइट प्लान में देखने को मिलेगा। प्यार और हंसी की इस अविस्मरणीय यात्रा का निर्देशन वत्सल नीलकांतन ने किया है और इसका निर्माण रितेश सिधवानी, कासिम जगमगिया और फरहान अख्तर, एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। आगामी फिल्म, फ्राइडे नाइट प्लान का टीज़र आज, 4 अगस्त को जारी किया गया। फिल्म में, बाबिल खान एक बेवकूफ बड़े भाई की भूमिका निभा रहे हैं, और उनके किरदार का पार्टनर-इन-क्राइम उनका शरारती छोटा भाई जयन है, जिसे अमृत ने शानदार ढंग से निभाया है। वे सर्वश्रेष्ठ जोड़ी हैं, जो वर्ष की सबसे शानदार, सबसे घटित होने वाली पार्टी को जीतने के लिए तैयार हैं - बेशक अपनी मां की अनुपस्थिति में, जूही चावला द्वारा अभिनीत। फ्राइडे नाइट प्लान काला के बाद बाबिल खान की नेटफ्लिक्स के साथ दूसरी प्रस्तुति होगी। इसके बारे में बोलते हुए, युवा अभिनेता ने कहा, वास्तविक जीवन में एक छोटा भाई होने के कारण, यह फिल्म मेरे लिए बहुत प्रासंगिक लगती है। यह एक दिल छू लेने वाली यात्रा है जो हमारे अपने दुस्साहस की यादें ताज़ा कर देती है। यह एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ मेरी पहली प्रस्तुति है और काला के बाद नेटफ्लिक्स के साथ मेरा दूसरा सहयोग भी है, और मैं इस परियोजना का हिस्सा बनकर अधिक रोमांचित नहीं हो सकता। एक्सेल एंटरटेनमेंट में हम इस दिल छू लेने वाली फिल्म को दुनिया के सामने पेश करते हुए बहुत खुश हैं! यह हमारी पहली हाई स्कूल फिल्म है और इसके साथ आने वाली सभी मजेदार, शरारतें और बढ़ते दर्द हैं। बाबिल खान के नेतृत्व में तारकीय कलाकारों के साथ काम करना रोमांचक था।, और हमें उम्मीद है कि हमारा प्यार नेटफ्लिक्स के साथ दूर-दूर के दर्शकों तक पहुंचेगा, फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी, निर्माता, एक्सेल एंटरटेनमेंट साझा करते हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

जनसंपर्क विभाग की प्रकाशित कैलेण्डर अक्ति तिहार से खुशहाली की शुरूआत कैलेण्डर का वितरण

बालोद। जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित कैलेण्डर 'अक्ति तिहार से खुशहाली की शुरूआत, बारहों महीने सौगातों की बरसात' का वितरण जिला एवं जनपद पंचायतों तथा नगरीय निकायों के माध्यम से बालोद जिले के विभिन्न स्थानों में वितरण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आज जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम झलमला के ग्राम पंचायत मुख्यालय में पंच उमेश पटेल, गिरधर पटेल, कीर्तन ठाकुर, गौतम पटेल, नितेश साहू सहित अन्य ग्रामीणों को कैलेण्डर का वितरण किया गया। इसी तरह कलेक्टोरेट परिसर में स्थित जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मागदर्शन केंद्र में रोजगार पंजीयन कराने आए युवा-युवतियों को भी कैलेण्डर का वितरण किया गया। इसके अलावा कलेक्टोरेट परिसर के श्रम विभाग के कार्यालय में श्रमिक पंजीयन के लिए आए श्रमिकों के अलावा गढ़कलेवा में कार्यरत महिला स्वसहायता समूह के महिलाओं को भी 'अक्ति तिहार से खुशहाली की शुरूआत' कैलेण्डर का वितरण किया गया। इसके साथ ही राजीव युवा मितान क्लब के सदस्यों, स्वसहायता समूह की महिलाओं, ग्रामीण तथा नगरीय निकायों के युवाओं एवं ग्रामीणों के अलावा समाज के सभी वर्ग के लोगों को 'अक्ति तिहार से खुशहाली की शुरूआत' कैलेण्डर का वितरण किया जा रहा है। जिले में शासन के जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु जिले के विभिन्न ग्रामों में भ्रमण करने वाली एलईडी वैन के माध्यम से भी ग्रामीणों को नियमित रूप से 'अक्ति तिहार से खुशहाली की शुरूआत, बारहों महीने सौगातों की बरसात' एवं 'जनमन' पुस्तिका का वितरण किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत अब पहले संतान पर दो किस्तों में मिलेगी राशि

कोरबा। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रीति खोखर चखियार एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी गजेन्द्र देव सिंह की उपस्थिति में विश्व स्तनपान पखवाडा सह प्रधानमंत्री मातृत्व योजना पखवाड़ा पर विशेष कार्यशाला आयोजित की गई है। जिसमे समस्त परियोजना अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों को 01 से 15 अगस्त 2023 तक आयोजित होने वाली विश्व स्तनपान सह प्रधानमंत्री मातृवदना योजना पखवाडा पर विशेष अभियान चलाकर शिशुवती माताओं को जागरूक करने को कहा गया। जिसमे शासन के निर्देशानुसार थीम ''इनेबलिंग ब्रेस्टफिडिंग मेकिंग ए डिफरेंस फॉर वर्किंग पेरेंट्स'' पर चर्चा किया गया, जिसके अंतर्गत मुख्य रूप बच्चे के जन्म के 01 घण्टे के भीतर बच्चे को स्तन पान कराने संबंधी शिक्षा एवं 06 माह तक केवल स्तनपान कराने पर विशेष बल दिया गया। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत प्रथम संतान पर पहले 03 किस्तों पर 5000/- की राशि हितग्राही के खातों में सीधे आंतरित किया जाता था जिसे नवीन निर्देशानुसार अब 02 किस्तों में हितग्राही खाते में आंतरित किया जाएगा। साथ ही द्वितीय बालिका संतान के जन्म पर 6000/- की राशि एकमुश्त हितग्राही के खाते में आंतरित किया जाएगा, जिसके पंजीयन हेतु 1-15 अगस्त 2023 तक पूरे जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें परियोजनाओं को अधिक से अधिक पंजीयन हेतु लक्ष्य देकर कार्यशाला का समापन किया गया।

तीन दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श एवं प्राथमिक उपचार शिविर का आयोजन 19 से

दुर्ग। प्राकृतिक एवं योगोपचार संस्थान नगपुरा में19 अगस्त से स्वास्थ्य जागरूकता अभियान अंतर्गत तीन दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श एवं प्राथमिक उपचार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आरोग्यम् के साधकों एवं स्थानीय जन समुदाय के मांग पर आयोजित इस शिविर में आयुर्वेद प्राकृतिक चिकित्सा के साथ ही औरा (आभामंडल) परीक्षण में निष्णांत चिकित्सकगण शिविरार्थियों को अपनी योग्यता से लाभान्वित करेंगे। आरोग्यम नगपुरा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दानेश्वर टंडन ने बताया कि शिविर में अहमदाबाद के सुप्रसिद्ध औरा, वास्तु एवं फेनसुई विशेषज्ञ डॉ.अमरेश मेहता (पी.एच.डी. एम.डी. ए एम.) को विशेष तौर पर आमंत्रित किया गया है। उल्लेखनीय है कि डॉ.अमरेश मेहता आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकी मशीनों के माध्यम से व्यक्ति के आभामंडल (औरा) स्केनिंग कर सप्तचक्रों के जागरण के साथ ही अल्प समय में आध्यात्मिक क्रिया, योग, सकारात्मक विचारों से औरा को प्रभावशील बनाकर अनेक बीमारियों से छुटकारा दिलाने की विधा में 25 वर्षों का दीर्घ अनुभव रखते हैं। वर्तमान में अदृश्य एवं भविष्य में संभावित जटिल अज्ञात रोगों की जानकारी देने में निष्णांत हैं। औरा के साथ ही फेनसुई एवं एनर्जी डायनेमिक ऑडिटर की योग्यता के साथ ही जियो बॉयोलाजी एवं जियोमेंसी राइट ब्रेन एक्टिविटी एवं मेडिटेशन, आरोमा थेरेपी, ऊर्जा गतिकी लेखा परीक्षक भी हैं। इस शिविर में आयुर्वेदाचार्य डॉ. सुधीर पंडया भावनगर पंचकर्म चिकित्सा पर जानकारी देंगे।

पराली जलाने के मामलों को शून्य के स्तर पर लाने की दिशा में कर रहे काम : तोमर

श्रीकंचपनथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली राज्यों की तैयारियों की समीक्षा के लिए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव की सह-अध्यक्षता में कल एक उच्च स्तरीय अंतर-मंत्रालयी बैठक आयोजित की गई, जिसमें मौजूदा मौसम में धान की पराली जलाने से रोकने के बारे में विचार-विमर्श हुआ।

इस उच्च स्तरीय बैठक में उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पंजाब के कृषि मंत्री गुरुमीत सिंह खुडियन, हरियाणा के कृषि मंत्री जय प्रकाश दलाल और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय उपस्थित थे। इस बैठक में भारत सरकार के कृषि मंत्रालय, पर्यावरण मंत्रालय और पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और आईसीएआर राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान राज्यों ने मौजूदा मौसम में पराली जलाने से रोकने के लिए अपनी कार्य योजना और रणनीतियां प्रस्तुत कीं। राज्यों को किसानों के बीच धान की पराली जलाने से रोकने के बारे में जागरूकता लाने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन के लिए प्रदान की गई धनराशि का उपयोग करने, फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) मशीनरी को कटाई के मौसम से पहले ही उपलब्ध कराने, आईसीएआर और अन्य हितधारकों के सहयोग से सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियां करने की सलाह दी गई।

इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्षों से धान की पराली जलाने से रोकने के प्रयासों के अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग जैसी एजेंसियों के ठोस प्रयासों के कारण, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में पराली जलने की घटनाओं में कमी आई है। धान के भूसे के समुचित प्रबंधन को प्रोत्साहन देने की जरूरत है, जो बिजली, बायोमास आदि जैसे उपयोगकर्ता उद्योगों को कच्चा माल मुहैया करेगा।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने धान की पराली जलाने के मुद्दे के समाधान में दिखाई गई गंभीरता के लिए सभी हितधारकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी हितधारकों के प्रयासों से धान की पराली जलाने की घटनाओं में लगातार कमी देखी जा रही है। हालांकि, धान की पराली जलाने का संबंध केवल दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों के प्रदूषण से नहीं है, बल्कि यह मिट्टी के स्वास्थ्य और उसकी उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव डालकर, कृषि भूमि पर भी हानिकारक प्रभाव डाल रहा है।

इसलिए, हमारे प्रयास दिल्ली में वायु प्रदूषण से लड़ने और मिट्टी के स्वास्थ्य की रक्षा करने के लिए होने चाहिए, जिससे हमारे किसानों के हितों की रक्षा हो सके। मौजूदा मौसम में पराली जलाने के मामलों को शून्य के स्तर पर लाने की दिशा में काम करना इसका उद्देश्य है। भारत सरकार चार राज्यों को सीआरएम योजना के अंतर्गत पर्याप्त धनराशि प्रदान कर रही है और इन राज्यों को समय पर किसानों को मशीन प्रदान करके उसका समुचित इस्तेमाल सुनिश्चित करना चाहिए। मशीनों के समुचित उपयोग और बायो-डीकंपोजर का इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए राज्य स्तर पर उचित निगरानी की जरूरत है। समुचित प्रबंधन के माध्यम से व्यावसायिक उद्देश्य हासिल करने के लिए धान के भूसे का इस्तेमाल करने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। विभिन्न निकायों के माध्यम से पराली जलाने से रोकने के लिए जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसियों (एटीएमए) जैसी एजेंसियों को उनकी पूरी क्षमता से उपयोग करने की जरूरत है।

राहुल गांधी की सदस्यता बहाली का स्वागत

कन्हैया के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने की आतिशबाजी ,बांटी मिठाईयां...

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर ।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कांग्रेस जनों ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल और युवक कांग्रेस के विधानसभा उपाध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक के नेतृत्व में जयस्तंभ चौक में आतिशबाजी कर मिठाई बाँटी ।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त करने के लिए जो षड्यंत्र रचा गया था उस षडयंत्र का पर्दाफाश हुआ है ,माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय से पूरे देश में हर्ष की लहर है राहुल गांधी के नेतृत्व में देश में ढ्ढह्लढ्ढ की सरकार बनेगी विपक्ष की आवाज को दबाने का केंद्र सरकार और भाजपा का प्रयास असफल हुआ है । मोहम्मद सिद्दीक ने कहा कि राहुल जी की सदस्यता की बहाली से यह स्पष्ट हुआ है कि भारतीय जनता पार्टी के द्वारा षड्यंत्र रचा गया था ,राहुल जी फिर से देश की संसद में देश की जनता की आवाज बनकर दहाड़ेंगे ।

जयस्तंभ चौक में आतिशबाजी मिठाई वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से जागेश्वर राजपूत, नागेंद्र वोरा, मुकुंद कागदेलवार, राजेश यदु, शरद गुप्ता, महावीर देवांगन, राजेश पाठक, राजेश अग्रवाल, सुरेश बाफना, गोलू साहू ,सचिन गोलछा ,अनिल बजाज ,विनीता नशीने ,बबीता सेन, राजेश त्रिवेदी, सोमेश बघेल, जावेद दद्दा ,आनंद पंचाल ,नदीम खान, विजय बाफना, सोहेल शेख शेख आरिफ संजय चंद्राकर ,सत्यम चंद्राकर, सिकंदर, सागर वाकडे ,मोहम्मद शकील, आकाश रंगा ,मोहम्मद शफी ,करण राय ,पिंटू यादव, लोकेश राजपूत, अयान खान, भरत साहू, रवि यादव, सहित कांग्रेश जन उपस्थित थे ।

रीपा से जुड़कर ऐश कुमारी और ममता पाव के जीवन में आया बदलाव

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन द्वारा ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने एवं रोजगार सृजित करने के उद्देश्य से रीपा योजना प्रारंभ किया गया है। जिसके तहत राज्य के विभिन्न ब्लॉकों में व्यवसाय एवं लघु उद्योगों को प्राथमिकता के साथ बढ़ावा दिया जा रहा है।

रीपा योजना किस तरह से रोजगार मूलक कार्यों के माध्यम से लोगों के जीवन में बदलाव ला रही है, इसकी एक बानगी रायगढ़ जिले के बैहामुड़ा में स्थित रीपा में देखने को मिली। रीपा रोजगार मूलक कार्यों के साथ उद्यमी सृजित करने का कार्य यहां किया जा रहा है। यहां की निवासी सुश्री ऐश कुमारी राठिया, जिन्होंने स्नातक और डीसीए की शिक्षा प्राप्त की है। उसके पश्चात उन्होंने रीपा में स्वयं का सीएससी सेंटर प्रारंभ किया है। जहां ऑनलाइन फार्म, आधार से पैसा निकासी, फोटो कापी, टाइपिंग, पासपोर्ट साइज फोटोग्राफी जैसे कार्य कर रही है। वर्तमान में अपने काम को विस्तार देते हुए कियोस्क शाखा प्रारंभ करने की ओर कार्य कर रही है। जिससे ग्रामीणों को गांव में ही बैंक की सुविधा मिल सके एवं खाता खुलवाने, फसल बीमा, केवाईसी की सुविधा उपलब्ध हो सकें। ऐश कुमारी गांव के बुजुर्गों को पैसे निकासी हेतु घर पहुंच सेवा भी प्रदान करती हैं। उन्होंने बताया कि यह सब रीपा के कारण संभव हो पाया हैं, जहां उन्हें वर्किंग शेड, जरूरी तकनीकी उपकरण के साथ हर कार्य में सहयोग मिल रहा हैं। जिससे वह हर माह 12 से 15 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर पा रही हैं।

इसी तरह रायगढ़ के ही विकासखंड पुसौर के ग्राम तरड़ा निवासी सुश्री ममता पाव ने रीपा तरडा में सीएससी सेंटर संचालित कर रही है। उनके द्वारा आधार कार्ड, पेन कार्ड, श्रमिक कार्ड बनाने के साथ ही पेंशन के ऑनलाईन फार्म भरने जैसे सभी कार्य किए जा रहे है। रीपा में भी सीएससी सेंटर चलाने हेतु 01 लाख का वर्किंग केपिटल दिया गया। साथ ही वर्किंग शेड भी प्रदान किया गया। जहां से ममता पाव अपना कार्य संचालित करती है। उनके द्वारा रकम निकासी की सुविधा भी प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही कालेज के ऑनलाईन फार्म भरे गये। जिससे उन्हें लगभग 20 हजार रुपये तक की आय प्राप्त हो रही है।

आजादी का अमृत महोत्सव के समापन समारोह के लिए नोडल अधिकारियों को दिए गए दिशा निर्देश

मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत जिले में होगा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

श्रीकंचपनथ न्यूज

कवर्धा। मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत जिले में शहरी क्षेत्रों से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान के लिए विभाग द्वारा तैयारी कर ली गई है। उल्लेखनीय है कि केंद्र एवं राज्य शासन के निर्देशानुसार देश की आजादी के 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में आजादी का अमृत महोत्सव पूरे देश में मनाया जा रहा है।

गत दो वर्षो से चल रहे इस कार्यक्रम का समापन मेरी माटी मेरा देश अभियान के रूप में होगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े वीरों का सम्मान करना जिन्होंने हमारे भविष्य के लिए अपना आज त्याग दिया। वीरों के सम्मान में प्रदेश के सभी पंचायतों से मिट्टी एकत्रित कर कर्तव्य पथ दिल्ली में आजादी का अमृत महोत्सव स्मारक और एक अमृत वाटिका निर्मित कर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम मुख्य रूप से दो भागो में होगा जिसमे प्रथम पंचायत स्तरीय कार्यक्रम एवं द्वितीय मिट्टी यात्रा जो पंचायत से जनपद पंचायत और दिल्ली तक होगा। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने बताया कि मेरी माटी मेरा देश अभियान का आयोजन पूरे जिले में गरिमा के साथ संपन्न होगा और इसके लिए सभी तैयारियां सुनिश्चित कर ली गई है। उन्होंने बताया कि 9 से 15 अगस्त तक पंचायत एवं नगरी निकाय क्षेत्रों में कार्यक्रम होंगे। 12 से 20 अगस्त तक जनपद स्तर के कार्यक्रम, 21 से 26 अगस्त तक स्थान की पहचान कर्तव्य पथ पर स्मारक निर्माण आदि। 27 से 28 अगस्त युवा दल का दिल्ली पहुंचना एवं 29 से 30 अगस्त कर्तव्य पथ पर अंतिम कार्यक्रम के आयोजन में प्रधानमंत्री द्वारा अमृत वाटिका में पौधारोपण करते हुए आजादी का अमृत महोत्सव स्मारिका को राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। कलेक्टर ने बताया कि कार्यक्रम के लिए जिला स्तर से लेकर विकासखंड स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर ली गई है एवं संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप कुमार अग्रवाल ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर मेरी माटी मेरा देश अभियान के दौरान शिलापलकम (शिला पट्टिका) की स्थापना किया जाएगा। जिसमें देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वालों वीरों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जिन्होंने अपना बलिदान दिया, देश की रक्षा से जुड़े हुए जवानों और केंद्रीय अर्धसैनिक बल और राज्य पुलिस बल से जुड़े हुए जवानों ने जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी उनका नाम इस शिलापलकम में रहेगा। इस शिलापलकम का लोकार्पण अगस्त महीने में 9 से 15 अगस्त 2023 के मध्य प्रत्येक ग्राम पंचायतों में किया जाएगा। कार्यक्रम में ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान का गायन होगा और इसमें प्रधानमंत्री द्वारा दिया गए संदेश उल्लेखित होगा। शिलापलकम की स्थापना महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत निर्मित अमृत सरोवर के पास की जाएगी।

व्यापारियों की प्रमुख मांगों को लेकर चेम्बर का प्रतिनिधि मंडल अमिताभ जैन से मिला

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि आज चेंबर अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने चेंबर की प्रमुख मांगों को लेकर मंत्रालय में अमिताभ जैन, मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन से मुलाकात की जिस पर मुख्यसचिव महोदय ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए उक्त मांगों पर उचित कदम उठाने की बात कही जिसके लिए चेंबर प्रतिनिधि मंडल ने उनका आभार व्यक्त किया।

चेंबर अध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया कि चेंबर प्रतिनिधि मंडल अमिताभ जैन, मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन से मिला और अपनी मांगों को उनके समक्ष रखा।

पारवानी ने कहा कि निम्न मांगे हैं जो मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन के समक्ष रखी गई जैसे-चेंबर भवन हेतु रियायती दर पर भूमि उपलब्ध कराने बाबत, छोटे व्यापारियों को हाफ बिजली बिल योजना के तहत शामिल करने हेतु, महत्वकांक्षी योजना ''होलसेल कॉरिडोर'' को शीघ्रताशीघ्र मूर्त रूप प्रदान करने बाबत, प्रदेश स्तर पर स्मार्ट बाजार योजना के गतिशील क्रियान्वयन हेतु, नियमितिकरण योजना को 31 मार्च 2024 तक बढ़ाने हेतु, थोक बाजार सरदार वल्लभ भाई पटेल मार्केट की फ्रीहोल्ड शुल्क से संबंधित समस्या के निराकरण बाबत, राज्य में औद्योगिक प्रयोजन हेतु ''भू जल दोहन'' जल-कर के युक्तियुक्त करण हेतु,व्यापारिक संस्थानों में विद्युत वितरण कंपनी द्वारा मल्टीकनेक्शन बिजली मीटर देने हेतु निवेदन, पंडरी में जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क के निर्माण हेतु निवेदन, डूमरतराई थोक किराना एवं अनाज बाजार में पानी व्यवस्था नियमित करने बाबत, मंडी शुल्क एवं कृषक कल्याण शुल्क में ट्रेडर्स व्यापारियों को छूट देने बाबत, किराना एवं दलहन आयातकों पर कृषि मंडी एवं कृषक कल्याण शुल्क में छूट आदि के संबंध में सार्थक चर्चा की इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा,डाक्टर राकेश गुप्ता कार्यकारी अध्यक्ष- राजेन्द्र जग्गी, मनमोहन अग्रवाल उपस्थित थे।

लगातार बारिश से राज्य के सभी बांधों में जलस्तर बढ़ा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश से राज्य के 12 बड़े प्रमुख जलाशय में 78.51 और 34 मध्यम जलाशय में 77.86 प्रतिशत जल भराव हो चुका है। इस तरह राज्य के बड़े और मध्यम जलाशयों में कुल 6360.23 मिलीयन क्यूबिक मीटर के विरुद्ध 4986.93 मिलीयन क्यूबिक मीटर जल भराव हो चुका है। जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक बड़े जलाशयों में शामिल मुंगेली जिले के मनियारी जलाशय में शत प्रतिशत जल भराव हो चुका है।इसी तरह कोरबा जिले के मिनीमाता-बांगो, बालोद के तांदुला, कांकेर के दुधावा, बिलासपुर के खारंग और गरियाबंद के सिकासेर में 80 प्रतिशत से अधिक का जलभराव हो चुका है। धमतरी के रविशंकर जलाशय(गंगरेल) में 75.20 प्रतिशत जल भराव हो चुका है। कैचमेंट एरिया से लगातार पानी की आवक होने के कारण कुछ बांधों से पानी भी छोड़ा जा रहा है।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

धर्मांतरण को लेकर दो युवकों पर हुई कार्रवाई, बागबाहरा बंद टला

महासमुंद (ए)। धर्मांतरण व लव जिहाद के मामले में कार्रवाई को लेकर नगर बंद का ऐलान बागबाहरा में किया था, लेकिन बागबाहरा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो युवक को हिरासत में लिया और मजिस्ट्रेड बयान कराने के बाद पुलिस ने प्रतिबंधात्म कार्रवाई की है।

इधर, कार्रवाई होता देख नगर बंद का ऐलान स्थगित किया गया। बागबाहरा थाना प्रभारी महेश साहू ने बताया कि कार्रवाई करते हुए विशेष समुदाय के दोनों युवक को हिरासत में लिया गया है और कार्रवाई की गई है। बता दें कि इस मामले में गुरुवार को सर्व हिंदू समाज द्वारा बागबाहरा थाना का घेराव किया गया था। इस दौरान परिजनों ने शिकायत दर्ज कराते हुए धर्मांतरण का मामला दर्ज कराने की मांग की, लेकिन मामला दर्ज करने से मना कर दिया गया। साथ ही कहा गया कि लड़की बालिग होने के कारण उनके बयान के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक की टक्कर बाइक सवार घायल

महासमुंद (ए)। ट्रक की ठोकर से बाइक सवार घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार ग्राम खैरा जिला बलौदाबाजार निवासी आलेख राम सोनी का लड़का सेतलाल सोनी 25 जुलाई को अपनी बाइक क्रमांक सीजी 06 जीटी 4736 से बसना बाजार गया था। बाजार से वापस आ रहा था, ग्राम झगरेनडीह के आगे सागौन प्लांट के पास पहुंचा था कि उसी समय सांकरा तरफ से आ रहे ट्रक क्रमांक सीजी 06 जीयू 4210 के चालक ने वाहन को तेज रफ्तार व लापरवाही पूर्वक चलाकर सेतलाल की बाइक को ठोकर मार दिया और वह रोड में गिर गया। इससे सेतलाल को चोट आई।

धारदार हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

महासमुंद (ए)। पिथौरा पुलिस ने ग्राम ठाकुरदिया खुर्द में एक व्यक्ति को लोहे के धारदार हथियार के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आर्म्स एक्ट के मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम ठाकुरदिया खुर्द के पास नंदलाल कोंद अपने हाथ में लोहे का तलवार लेकर लहराते हुए गाली गलौच कर रहा है और लोगों को डरा धमका रहा है। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची और ठाकुरदिया निवासी नंदलाल कोंद पिता केजऊ कोंद (40) को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से धारदार हथियार जब्त किया।

प्रेमी से नाराज युवती हाइटेंशन लाइन के टॉवर पर चढ़ी, पीछे-पीछे प्रेमी भी चढ़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

पेंड्रा। प्रेमी से किसी बात पर नाराज युवती हाईटेंशन लाइन के टॉवर पर चढ़ गई। युवती के टॉवर पर चढ़ने से हड़कंप मच गया। इधर जैसे ही इसकी जानकारी उसके प्रेमी को हुई तो वह भी मौके पर पहुंचा। पहले तो उसने युवती को उतरने कहा लेकिन जब वह नहीं उतरी तो पीछे-पीछे वह भी टॉवर पर चढ़ गया। इसके बाद दोनों टॉवर पर ही लगभग आधे घंटे तक बतियाते रहे और उसके बाद उतर गए। इस बीच टॉवर के नीचे खड़े लोगों की हालत खराब थी। किसी ने पुलिस को भी सूचन दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया।

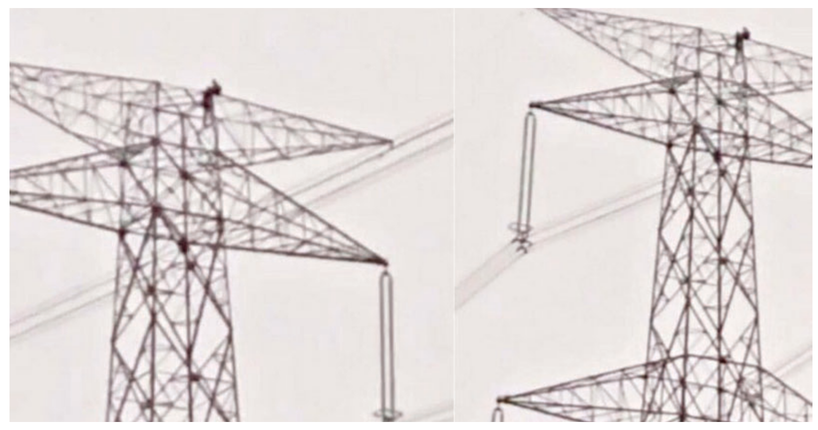

मामला पेन्ड्रा के कोडगार गांव है। गौरेला के नेवारीपारा निवासी युवती दो दिन पहले कोडगार में रहने वाले शिवमंगल सिंह के घर आई थी। गुरुवार को दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद नाराज युवती घर से निकलकर हाईटेंशन लाइन के टॉवर पर चढ़ गई। युवती जब टॉवर पर चढ़ रही थी तो लोगों ने उसे काफी रोका लेकिन वह किसी की नहीं सुन रही थी। इसके बाद जैसे इसकी जानकारी शिवमंगल का हुई तो वह मौके पर पहुंचा।

इस बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जब तक पुलिस पहुंची युवती के पीछे-पीछे शिवमंगल भी टॉवर पर चढ़ गया। शिवमंगल ने पहले युवती को उतरने के लिए कहा वह नहीं मानी तो वह भी चढ़ गया। टॉवर के टॉप पर दोनों लगभग आधे घंटे तक बतियाते रहे और उसके बाद नीचे उतर गए। इस दौरान नीचे खड़े लोग किसी घटना को लेकर आशंकित थे। हालांकि दोनों सकुशल नीचे उतर गए। नीचे पहुंचते ही पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया। पुलिस की टीम दोनों को लेकर पेंड्रा थाने पहुंची। बतया जा रहा है कि देर रात तक पुलिस ने दोनों से पूछताछ की।

सड़क निर्माण नहीं होने पर मोबाइल टॉवर पर चढ़ा पंच

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर के एक ग्राम पंचायत के पंच का हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। मामला तखतपुर का है जहां एक पंच सड़क निर्माण सहित अन्य विकासकार्य नहीं होने से मोबाइल टॉवर पर चढ़कर हंगामा करने लगा। जैसे ही इसकी सूचना मिलते ही मौके पर नायब तहसीलदार और थाना प्रभारी पहुंचे और नाराज पंच को समझाबुझाकर नीचे उतारा।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत देवरी के पंच जयशंकर चौबे पंचायत क्षेत्र में सड़क नहीं बनने से काफी नाराज था। उसका कहना है कि कई बार सड़क के लिए प्रयास किया गया लेकिन काम नहीं हो पाया। जो अपनी मांग को पूरी होता न देख शुक्रवार शाम को गांव के मोबाइल टावर पर चढ़ गया और सड़क नहीं बनने पर प्रशासन के खिलाफ नारे बाजी करता रहा। गांव के पंच के द्वारा टावर में चढ़ने की जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी तखतपुर एसआर साहू और नायब तहसीलदार राहुल साहू पहुंचें।

दोनों ने किसी तरह से जयशंकर को समझाया और उसे टावर से नीचे उतारा गया। पंच को आश्वस्त किया गया कि उसकी मांग के बारे में उच्चाधिकारीयों को अवगत कराया जाएगा और जल्द पूरा कराया जाएगा। इधर पंच जयशंकर ने आरोप लगाया कि गांव में सड़क की लंबे समय से मांग की जा रही है। इसके लिए बजट भी आया लेकिन निर्माण कार्य नहीं हो रहा है। पंच ने बताया कि अपनी बात पहुंचाने के लिए ही उसने यह कदम उठाया।

नक्सलियों का प्लान फेल

जवानों को उड़ाने की थी साजिश, प्लांट कर रखा था 8 किलो वजनी आईईडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों का एक प्लान फेल हो गया। नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने के मकसद से 8 किलो वजनी आईईडी प्लांट कर रखा था। उक्त आईईडी को कोबरा जवानों ने बरामद कर निष्क्रिय कर दिया है। इस तरह एक बड़ी घटना टल गई।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को दिलीप पोस्ट (मुकुर) से कोबरा 210 बटालियन की टीम जगरगुंडा थाना जिला सुकमा से गोला कोण्डा पहाड़ी की ओर एरिया डॉमिनेशन पर निकले थे। नक्सलियों ने सुरक्षाबल के जवानों को नुकसान पहुंचाने के मकसद से दो आईईडी सीरिज में लगाये थे। एरिया डॉमिनेशन के

दौरान कोबरा 210 बटालियन ने आईईडी बरामद की और उसे कोबरा 210 की बम निरोधक दस्ते ने आईईडी को मौका पर ही डिफ्यूज कर दिया। सुरक्षाबल के जवानों की सतर्कता और सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया और नक्सलियों के मंसूबों पर पानी फिर गया। बताया गया है कि आईईडी को सीरीज में 50 मीटर के अंदर लगाया गया था। जिसमें 2 आईईडी थे। इसे स्टील के कंटेनर में रखा गया था, जो 4-4 किलो के थे। ये आईईडी कमांड और प्रेशर मैकेनिजम से संचालित होने वाले थे।

जमीन विवाद में बड़े भाई ने कर दी छोटे भाई की हत्या, कुल्हाड़ी मारकर सिर धड़ से किया अलग

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में जमीन विवाद के कारण बड़े भाई ने छोटे भाई की हत्या कर दी। बड़े भाई ने खेत में काम कर रहे छोटे भाई का सिर धड़ से अलग कर दिया। घटना के बाद वह फरार हो गया। गांव वालों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा। शुरुआती जांच के बाद आरोपी बड़े भाई को गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को पुलिस ने इस मामले का खुलासा किया। यह पूरा धर्मजयगढ़ थाना क्षेत्र का है।

दरअसल घटना गुरुवार दोपहर की है। रायगढ़ जिले के नरकालो गांव का रहने वाले धीरसाय राठिया(41) का अपने छोटे भाई अमीर साय राठिया(40) से विवाद चल रहा था। दोनों के बीच कई बार जमीन को लेकर विवाद हो

चुका था। घर के अन्य लोगों ने इनके बीच सुलह भी कराई। गुरुवार दोपहर को अमीर साय खेत में काम कर रहा था। इस दौरान वहां धीर साय पहुंच गया। इस बीच दोनों में फिर से विवाद होने लगा। विवाद इतना बढ़ गया कि धीरसाय ने कुल्हाड़ी से अमीर साय के गर्दन परवार कर दिया।

इस वार से अमीर साय का सिर धड़ से अलग हो गया और उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद धीरसाय मौके से भाग गया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने अमीर साय का शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को शुरुआती जांच के दौरान यह पता चला कि मृतक का अपने बड़े भाई से जमीन विवाद था। इसके बाद पुलिस घेराबंदी कर धीरसाय को गिरफ्तार किया। पूछताछ में धीरसाय ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल कुल्हाड़ी भी बरामद कर ल है। पुलिस ने आरोपी धीरसाय को जेल भेज दिया है।

सेफ्टी टैंक में अवैध रूप बन रही थी महुआ शराब, निकालने के लिए उतरे युवक की मौत

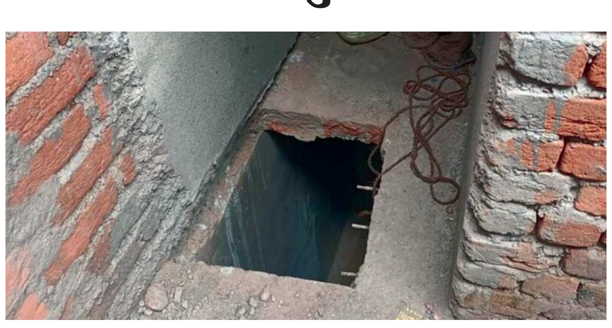

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सेफ्टी टैंक में अवैध रूप से महुआ शराब बनाए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस से बचने के लिए 10 फीट की गहराई में शराब बनाई जा रही थी। महुआ शराब का लहान निकालने उतरे तीन लोग सेफ्टी टैंक के अंदर बेहोश हो गए। इनमें से एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार शहर के सीतामढ़ी क्षेत्र में निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक में अवैध रूप महुआ शराब बनाई जा रही थी। शुक्रवार को महुआ लहान निकालने 10 फीट गहरे टैंक में नरेंद्र कुमार सहिस, मान गुड्डू और बिहारी यादव नाम के युवक उतरे। तीनों बेहोश हो गए। आनन फानन में तीनों को अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सक के पास ले गए जहां नरेंद्र सहिस को मृत घोषित कर दिया गया। वही मान गुड्डू और बिहारी यादव की स्थिति भी गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच की जा रही है।

ग्राम पंचायतों के तीन सचिवों पर लगा 25-25 हजार रुपए का जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग ने आवेदकों को समय पर सूचना देने में लापरवाही बरतने और सूचना का अधिकार अधिनियम का समुचित क्रियान्वयन नहीं किए जाने पर ग्राम पंचायतों के 3 सचिवों पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

राज्य सूचना आयुक्त मनोज त्रिवेदी ने कोंडागांव जिले के केशकाल जनपद पंचायत के डुंडाबेडमा ग्राम पंचायत के सचिव दयानंद भारद्वाज, जांजगीर-चांपा जिले के जनपद पंचायत बलौदा के ग्राम पंचायत करमा के सचिव सीलसर्जन खैरवार और कोरबा जिले के अंतर्गत जनपद पंचायत कोरबा के ग्राम पंचायत रजगामार के सचिव और तत्कालीन जन सूचना अधिकारी पर यह जुर्माना लगाया है। राज्य सूचना आयुक्त ने संबंधित जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को जुर्माने की राशि वसूल कर शासन के खाते में जमा कर आयोग को पालन प्रतिवेदन भेजने के निर्देश दिए हैं।

राज्य सूचना आयोग को प्राप्त द्वितीय अपील के एक प्रकरण में ग्राम पंचायत डुंडाबेडमा में आवेदक के द्वारा तत्कालीन जन सूचना अधिकारी से ग्राम पंचायत से संबंधित आय-व्यय, कैशबुक की छाया प्रति मांगी गई थी। किंतु जन सूचना अधिकारी के द्वारा जानकारी देने में विलंब किया गया और आयोग के नोटिस का जवाब भी नहीं दिया गया। अन्य एक प्रकरण में ग्राम पंचायत करमा में आवेदक द्वारा वार्षिक लेखा रिपोर्ट की प्रति मांगी गई थी। किंतु जन सूचना अधिकारी के द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में लापरवाही बरती गई। इसी तरह ग्राम पंचायत रजगामार में आवेदक द्वारा अनुमोदित वार्षिक लेखा की रिपोर्ट की कॉपी मांगी गई। किंतु जन सूचना अधिकारी के द्वारा समय सीमा 30 दिवस में जानकारी नहीं दी गई और प्रथम अपीलीय अधिकारी के द्वारा भी कोई औपचारिक आदेश पारित नहीं किया गया। अतः राज्य सूचना आयुक्त ने तत्कालीन जनसूचना अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत के सचिवों पर 25-25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

कार्यालय वनमंडलाधिकारी, दुर्ग वनमंडल, दुर्ग (छ.ग.)

पांच बिल्डींग, जेल रोड, दुर्ग

कार्यालयः फोन नं. 0788-2327531 एवं मो.नं.- 75870-13100 ई-मेलः dfodurg@gmail.com

क्रमांक/भण्डार/2023/4136 — दुर्ग, दिनांक 02/08/2023

//संक्षिप्त निविदा सूचना//

दुर्ग वनमंडल, दुर्ग अंतर्गत वर्ष 2023-24 में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आवश्यक निर्माण एवं अन्य सामग्रियां प्रदाय हेतु दो लिफाफा पद्धति के आधार पर वनमंडलाधिकारी, दुर्ग वनमंडल, दुर्ग के कार्यालय में नीचे दर्शाये विवरण के अनुसार निविदा प्रपत्र मुहरबंद लिफाफा में पंजीकृत डाक/स्पीडपोस्ट/सीधे वनमंडल कार्यालय दुर्ग में आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, कार्य की आवश्यकता एवं शर्ते अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन दिवसों में आवश्यक राशि 1,000/- रू. का डिमाण्ड डाफ्ट्र अथवा बैंकर्स चैक जमाकर प्राप्त किये जा सकते है। कार्यवार निविदा प्रारूप विक्रय किया जावेगा। निविदा प्रपत्र विभाग के वेबसाईट www.cgforest.com से भी Download किया जा सकता है। जिसके लिए पृथक-पृथक आवश्यक राशि जमा किया जाना होगा।

-: समय-सारणी :-

क्र.	विवरण	प्रथम चक्र	द्वितीय चक्र	तृतीय चक्र
1	निविदा प्रारूप विक्रय प्रारंभ होने की तिथि (पूर्वान्ह 11.00 बजे से)	10.08.2023	13.09.2023	05.10.2023
2	निविदा प्रारूप बिक्री की अंतिम तिथि (सायं 5.00 बजे तक)	11.09.2023	03.10.2023	16.10.2023
3	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि (दोपहर 12.00 बजे तक)	12.09.2023	04.10.2023	17.10.2023
4	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि (दोपहर 3.00 बजे)	12.09.2023	04.10.2023	17.10.2023
5	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि (सायं 4.00 बजे)	12.09.2023	04.10.2023	17.10.2023
6	निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय वनमंडलाधिकारी, दुर्ग वनमंडल, दुर्ग		

जी-04014/4

वनमंडलाधिकारी
दुर्ग वनमंडल, दुर्ग (छ.ग.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

भ्रष्टाचार मुक्ति मोर्चा की बैठक संपन्न, चुनाव करवाने का प्रस्ताव किया पास

भिलाई। भ्रष्टाचार मुक्ति मोर्चा की बैठक कैलाश नगर भिलाई में रखा गया। जिसमें केन्द्रीय पदाधिकारियों का कार्य समाप्त होने के कारण पार्टी के केन्द्रीय अध्यक्ष, महासचिव और कोषाध्यक्ष के पदों का चुनाव करवाने का प्रस्ताव पास किया गया। इसके लिए पार्टी के द्वारा सदस्यता अभियान चलाया जायेगा। जिससे के नये सदस्यों को भी वोट देने का अधिकार मिल सके। केन्द्रीय स्तर के पदों में भाग लेने के लिए प्रत्याशी को पार्टी के विचार धारा के अनुरूप होना चाहिए और पार्टी में कम से कम पांच वर्ष कार्य कर चुका हो बैठक में धनश्याम वर्मा को मुख्या निर्वाचन पदाधिकारी चुना गया और वह निर्वाचन को संपन्न करने के लिए अपने सहायक पदाधिकारियों की भी नियुक्ति कर सकेगा।

सेक्टर अधिकारियों की बैठक 7 अगस्त को

दुर्ग। विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए विधानसभा क्षेत्र वार नियुक्त सेक्टर अधिकारियों का 07 अगस्त 2023 को दोपहर 12.00 बजे बी.आई. टी. ऑडिटोरियम दुर्ग में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है । जिसमें सभी सेक्टर अधिकारियों को राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर तथा जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा विस्तृत प्रशिक्षण दिया जायेगा। सभी सेक्टर अधिकारियों को निर्धारित स्थान एवं समय पर अनिवार्यत: उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है। अनुपस्थित सेक्टर अधिकारियों के विरूद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

7 विकास कार्यों के लिए 4 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। जिला पंचायत विकास निधि के अंतर्गत जिला पंचायत के सीईओ श्री अश्वनी देवांगन द्वारा 7 विकास कार्यो के लिए 4 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। कार्यालय जिला पंचायत, दुर्ग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अहिवारा अंतर्गत ग्राम भाठाकोकड़ी के प्राथमिक शाला, पूर्व माध्यमिक शाला, आंगनबाड़ी केंद्र एवं स्वास्थ्य केंद्र में वाटर कूलर लगवाने हेतु 50-50 हजार रूपए के राशि की प्रशासनिक स्वीकृति की गई है। इसी प्रकार ग्राम मुड़पार के आंगनबाड़ी केंद्र में खेल सामग्री हेतु 15 हजार रूपये व वाटर कूलर हेतु 50 हजार रूपए एवं 3 नग सौर उर्जा स्ट्रीट लाइट हेतु 1 लाख 35 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति की गई है।

किसान फसल बीमा में देर के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार - राजेंद्र साहू

दुर्ग। किसानों के फसल बीमा में विलंब को लेकर भाजपा के आरोपों को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष राजेंद्र साहू ने झूठ का पुलिंदा करार दिया है। राजेंद्र ने कहा कि फसल बीमा का पोर्टल केंद्र सरकार की एजेंसी चलाती है। एजेंसी तय करने से लेकर पोर्टल शुरू करने में लेटलतीफी के लिए केंद्र की मोदी सरकार कुसूरवार है। केंद्र सरकार को दोषी ठहराने की बजाय भाजपा नेता प्रदेश सरकार की गलती बताकर उलटी गंगा न बहाएं। राजेंद्र ने कहा कि वास्तव में 15 जुलाई से पहले ही किसानों का फसल बीमा हो जाना चाहिए था। लेकिन, केंद्र सरकार कुंभकर्णी नींद में सोती रही। पूरे देश के किसानों का फसल बीमा करने के लिए एजेंसी तय करने में लेटलतीफी की। केंद्र सरकार द्वारा 25 जुलाई को एजेंसी तय की गई।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दुर्ग संभाग में युवाओं से भेंट मुलाकात के दौरान की बड़ी घोषणा

सीएसवीटीयू में बनाया जाएगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, 15 करोड़ की लागत से बनने वाली यूनिट में स्टार्टअप इकाइयों के प्रमोशन की होगी सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्वामी विवेकानंद टेक्निकल यूनिवर्सिटी में सेंटर ऑफएक्सीलेंटस की स्थापना की जाएगी। 15 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस संस्थान में स्टार्टअप यूनिट्स के लिए जगह भी होगी और लैब भी होगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यह घोषणा दुर्ग संभाग में युवाओं से भेंट मुलाकात के दौरान की। उन्होंने कहा कि अभी बैंगलोर जीएसटी प्राधिकरण ने छात्रावास में रहने वाले छात्रों पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगा दिया है। इस निर्णय को वापस लेने का अनुरोध हमने भारत सरकार से किया है। यह निर्णय यदि वापस नहीं होता तो इस राशि का वहन छत्तीसगढ़ सरकार करेगी लेकिन बच्चों पर अतिरिक्त भार नहीं आने देंगे।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में सभी वर्गो के हितों से संबंधित किये गये कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमने पौने दो लाख करोड़ रुपए डीबीटी के माध्यम से हितग्राहियों के खाते में डाले। इससे बाजार में पैसा आया और छत्तीसगढ़ मंदी से दूर रहा। हमने उद्यानिकी विश्वविद्यालय आरंभ किया और मेडिकल कालेज भी खोले हैं। हमने 112 करोड़ रुपए बेरोजगारी भत्ते के रूप में दिये हैं। 300 रीपा बनवाया है। 1186 करोड़ रुपए की राशि से 36 आईटीआई का उन्नयन कर रहे हैं। इससे दस हजार पद सृजित होंगे। जहां जहां भेंट मुलाकात होती है मुझसे लोग स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल और सहकारी बैंक की माँग होती है। इंग्लिश मीडियम स्कूलों की जरूरत थी और कालेजों की भी। हमने दस इंग्लिश मीडियम कालेज आरंभ किये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी परंपरा को सहेजने की दिशा में भी हमने कार्य किया है।

इस मौके पर गृह मंत्री और कृषि मंत्री ताम्रध्वज साहू एवं पंचायत एवं उच्च शिक्षा मंत्री रविंद्र चौबे, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद, वरिष्ठ विधायक अरूण वोरा, विधायकगण देवेन्द्र यादव, श्रीमती संगीता सिन्हा, श्रीमती छन्नि साहू, छत्तीसगढ़ विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, अतिरिक्त मुख्य सचिव सुब्रत साहू, सचिव डॉ कमलप्रीत सिंह, सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में युवा छात्र छात्रायें उपस्थित थे।

इतनी वैकेंसी निकाली कि मुझे पोस्ट आने लगे कि अतेक उत्ता, धुर्रा वैकेंसी मत निकाल कका, तैयारी करे बर समय दे- मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने 41 हजार पदों पर वैकेंसी निकाली है। रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया तेजी से की जा रही है। यहां तक कि कोई कोई युवक मेरे पोस्ट पर कमेंट भी करते हैं कि अतेक ऊत्ता-धुर्रा वैकेंसी मत निकाल कका, अभी मोर तैयारी नइ होय हे। अंकित ने यह प्रश्न पूछा था कि कृषि विभाग में पोस्ट जल्द निकाल दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि शीघ्र ही निकालेंगे। सुनील सिल्हारे ने कहा कि संगीत के टीचर की नियुक्ति कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले इंदिरा संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में महाविद्यालय नहीं थे। अब यहां से संबद्ध 5 महाविद्यालय हो गये हैं इससे संगीत प्राध्यापकों की नियुक्ति की राह भी खुल गई है। विमल सोनी ने कहा कि कांस्टेबल की नियुक्ति भी शीघ्र कराइये। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी पुलिस विभाग में अन्य पदों की नियुक्ति चल रही है जैसे ही यह पूरी होती है हम कांस्टेबल में भर्ती प्रक्रिया आरंभ करा देंगे।

स्टाइपेंड बढ़ाने पर हो रहा विचार

नर्सिंग की एक छात्रा संजना ने स्टाइपेंड बढ़ोत्तरी की माँग रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर पहले ही विचार चल रहा है। हम इसे पक्का बढ़ा देंगे। आरती देशमुख ने कहा कि पालीटेक्निक में स्कोप तब बढ़ेगा जब यहां साफ्टवेयर कंपनियां आएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर काम चल रहा है। जल्द ही आपको अच्छी सूचना मिलेगी।

जैसे रायपुर में नालंदा, वैसे ही दुर्ग में तक्षशिला

एक छात्र ने मुख्यमंत्री से कहा कि रायपुर में नालंदा परिसर बहुत अच्छा है। ऐसा ही परिसर यदि दुर्ग संभाग में भी हो जाए तो बहुत अच्छा है। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि नालंदा की तरह ही तक्षशिला परिसर दुर्ग में बनेगा। इसके लिए 20 करोड़ रुपए का बजट दिया गया है। कमलेश साहू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कोच मिलेंगे तो खेल और बढ़ेगा। आप छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के माध्यम से बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने 8 आवासीय खेल अकादमी आरंभ की। नये स्टेडियम बनवाये हैं। अभी मैं बिलासपुर गया था वहां बहतराई स्टेडियम कितना बढ़िया बना है। अबूझमाड़ के खिलाड़ी मल्लखंभ के माध्यम से पूरे देश में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर रहे हैं।

आल्हा और रैप शैली के गीतों से युवाओं ने दिखाई अपनी प्रतिभा

बेमेतरा जिले के मनीष वर्मा ने आल्हा गीत के माध्यम से सबका मन खुश कर दिया। लेथे सबके धान ल भैया, देथे बढ़िया दाम, कका राज म खुश हे भारी, नोनी बाबू सब सियान। प्रतीक ने रैप गाना गाकर लोगों को खुश कर दिया। सभी युवाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुर्ग जिले के युवा बहुत प्रतिभाशाली हैं।

भाजपा में नियुक्ति : भिलाई के जमीनी कार्यकर्ताओं को मिला मौका...

पार्षद वीणा चंद्राकर, सुमन कन्नौजे, मंजूषा साहू और अजीत को प्रदेश ओबीसी में स्थान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर के जमीनी कार्यकर्ताओं को भाजपा संगठन में मजबूती प्रदान की जा रही है। उन्हें संगठन में रहकर भाजपा को मजबूत बनाने का जिम्मा दिया जा रहा है। प्रदेश भाजपा ओबीसी प्रकोष्ठ में नियुक्ति का दौर चल रहा है।

प्रदेश भाजपा ओबीसी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भरत वर्मा ने आदेश जारी कर नियुक्ति प्रदान की है। इसमें भिलाई छावनी की पार्षद वीणा चंद्राकर नगर निगम सचेतक को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भाजपा ओबीसी मोर्चा बनाया गया है। वीणा चंद्राकर के साथ सुमन कन्नौजे को प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी भाजपा ओबीसी मोर्चा की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं अजीत यादव को भी भाजपा ओबीसी मोर्चा में स्थान मिला है। अजीत को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। इसी प्रकार भाजपा की सक्रिय कार्यकर्ता मंजूषा साहू को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है ओबीसी मोर्चा में। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने प्रदेश भाजपा संगठन का आभार माना है। उन्होंने कहा है कि इस साल विधानसभा चुनाव है। चुनाव में जीत सुनिश्चित है। हम ग्राउंड पर काम कर रहे थे, आगे भी लगातार काम करेंगे। इस साल भाजपा की सरकार प्रदेश में बनेगी। यह सुनिश्चित है।

भेंट मुलाकात युवा संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने की घोषणा

भिलाई में खुलेगा आधुनिक लाइब्रेरी तक्षशीला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। संभाग स्तरीय युवाओं से भेंट मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भिलाई की बहुप्रतिक्षित इंडोर स्टेडियम व तक्षशीला परिसर की घोषणा करके भिलाई के युवाओं को बड़ी सौंगात दी है। स्वामी विवेकानंद टेक्निकल यूनिवर्सिटी में सेंटर आफएक्सीलेंटस की स्थापना की जाएगी।

15 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इस संस्थान में स्टार्टअप यूनिट्स के लिए जगह भी होगी और लैब भी होगा। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि युवाओं के बौद्धिक विकास एवं खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने रायपुर के नालंदा परिसर की तर्ज पर भिलाई में बच्चों के लिए तक्षशीला परिसर का निर्माण किया जायेगा । परिसर में ई-लाइब्रेरी एवं कला सृजन को बढ़ावा देने के अवसर बच्चों को प्राप्त होगा। एक हजार बच्चो के बैठने की क्षमता वाले तक्षशीला भवन का निर्माण जी.ई.रोड के किनारे किया जावेगा। 21 करोड़ की लागत से बनने वाले इस भवन में हर एक बच्चे के लिए पार्टिशन कक्ष होगा, जहॉ बच्चे अपनी रूची का लाइब्रेरी से पुस्तक प्राप्त कर अध्ययन करेगें एवं ई- लाइब्रेरी के माध्यम से विश्व स्तर के लेखकों के पुस्तक पढ़ने का अवसर बच्चों को मिलेगा। महापौर नीरज पाल ने मुख्यमंत्री जी का आभार मानते हुए बताया की भिलाई में सुसज्जित एक बहुप्रतिक्षित इंडोर स्टेडियम की मांग की जा रही थी, जिसकी सौगात मुख्यमंत्री जी ने आज भिलाई को प्रदान की है। इस स्टेडियम के बन जाने से भिलाई के खिलाड़ियों को सुविधा संपन्न स्टेडियम मिलेगा, जहॉ खिलाड़ी अपनी प्रतिभा को और निखार सकेगें। महापौर श्री पाल ने अपने परिषद के सभी सदस्यों व पार्षदो की ओर से छत्तीसगढ़ शासन के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी का दो महत्वपूर्ण घोषणा के लिए आभार व्यक्त किया है।

भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा डेंगु नियंत्रण हेतु सघन प्रयास, घर घर दस्तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के जन स्वास्थ विभाग एवं डेंगु के नियंत्रण हेतु जिला मलेरिया विभाग दुर्ग के संयुक्त रूप से चलाये जा रहे, वृहद सर्वेक्षण एवं लार्वानाशी के नि:शुल्क वितरण कार्यक्रम का आज संयुक्त निरिक्षण, जिला मलेरिया एवं जिला सर्वेलेंस अधिकारी डॉ सी बी एस बंजारे, भिलाई नगर निगम क्षेत्र के नोडल अधिकारी डॉ प्रीतम सिंह एवं जन स्वास्थ एवं उद्यान के उप महाप्रबंधक डॉ एन के जैन द्वारा किया गया।

उल्लेखनीय है कि भिलाई टाउनशिप की हरियाली एवं आवासों से लगी, खाली भूमि लोगों को बेहतर आवास तो उपलब्ध करता है, वहीँ बारिश के मौसम में इन खुले स्थानों में पड़े पात्रों में जल जमा होने के कारण, पानी में पैदा होने वाले मच्छर की एडिस प्रजाति के भी पैदा होने की संभावना लगातार बनी रहती है, जो डेंगु, मलेरिया एवं मच्छर जनित रोगों के प्रसार का कारक है।

विगत वर्षों में भी भिलाई टाउनशिप में डेंगू के अनेक संधिग्ध प्रकरण सामने आने के कारण ऐतिहातन एवं रोकथाम हेतु जन-मानस में जागरूकता लाने जन स्वास्थ विभाग, नगर सेवाएं, भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा जिला मलेरिया विभाग दुर्ग से भुगतान के आधार पर प्राप्त 48 ब्रीडिंग चेकर्स के माध्यम से दिनांक 13 जून 2023 से वृहद सर्वेक्षण एवं जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत ब्रीडिंग चेकर्स द्वारा टाउनशिप के प्रत्येक आवास सहित सभी दुकानों एवं भवनों में जाकर ऐसे स्थल जहां मच्छर पनप सकते हैं, जैसे पशुओं एवं पक्षियों के लिए रखे पानी के पात्र, कूलर, पुराने टायर, नारियल के खोल, पुराने बर्तन, पानी की टंकिया, तथा अन्य जल-पात्र व जल जमाव के अन्य स्थानों का निरिक्षण कर मच्छरों के लार्वा विनिष्टीकरण के साथ ही निरोधक उपायों हेतु लोगों को जागरूक करने जानकारीयुक्त पाम्पलेट एवं नि:शुल्क लार्वानाशी (टेमीफोस) का वितरण किया जा रहा है। अब तक के कार्य की उपलब्धि को निम्नलिखित आंकडों से समझा जा सकता है।

अब तक 48 ब्रीडिंग चेकर्स के माध्यम से कुल दस्तक दिए गए घरों की संख्या = 35695, कूलर एवं जल पात्रों का निरिक्षण = 35915, लार्वा मिले घरों की संख्या = 3336, घरों में कीटनाशक का छिडकाव = 1370, घरों में टेमीफोस का वितरण = 28443 में किया गया है।

भिलाई महिला समाज ने हर्षोल्लास से मनाया 66वां स्थापना दिवस समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अंचल और देश की प्रमुख समाजसेवी महिला संगठनों में से एक इस्पात नगरी, भिलाई की सशक्त महिला संगठन, भिलाई महिला समाज ने 4 अगस्त, 2023 को अपना 66वाँ स्थापना दिवस उत्साह एवं उल्लासपूर्वक मनाया। यह समारोह सेक्टर-1 स्थित नेहरू सांस्कृतिक सदन, भिलाई में आयोजित किया गया। समारोह में पद्मश्री सम्मानित पंडवानी गायिका श्रीमती उषा बारले मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। भिलाई महिला समाज की अध्यक्ष श्रीमती त्रिपर्णा दासगुप्ता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

समारोह में अतिथियों के आगमन पर बैज लगाकर एवं पुष्प गुच्छ से उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि श्रीमती उषा बारले तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही भिलाई महिला समाज की अध्यक्ष श्रीमती त्रिपर्णा दासगुप्ता तथा उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा श्री गणेश जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर श्री गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

समारोह की मुख्य अतिथि पद्मश्री सम्मानित डॉ उषा बारले ने भिलाई महिला समाज को 66वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सभी पदाधिकारियों एवं वहां उपस्थित सभी लोगों को संबोधित करते हुए अपने सारगर्भित छत्तीसगढ़ी भाषण में कहा कि 'नारी निंदा ना करो, नारी नर की खान, नारी से नर होत हैं, ध्रुव प्रहलाद समान' अपने इन्हीं शब्दों के साथ उन्होंने नारी शक्ति और महिलाओं की प्रतिभाओं के प्रदर्शन का सार प्रकट किया। उन्होंने इस आयोजन के लिए भिलाई महिला समाज के कार्यकर्ताओं की सराहना की और महिला सशक्तिकरण के इस प्रयास के लिए उन्हें धन्यवाद भी दिया। डॉ बारले ने भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना से लेकर अब तक की प्रसिद्धि का वर्णन, स्वयं की बनाई हुई छत्तीसगढ़ी कविता 'बने हे कारखाना हो...' के माध्यम से किया। अपने इस गीत के साथ ही उन्होंने पंडवानी की कुछ पंक्तियों से मंचस्थ अतिथियों एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भिलाई महिला समाज के 66वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर भिलाई महिला समाज की अध्यक्ष श्रीमती त्रिपर्णा दासगुप्ता ने बधाई देते हुए अपने संदेश में कहा कि किसी समाज की प्रगति उसकी महिलाओं की प्रगति से मापी जा सकती है। यही कारण है कि यह सुनिश्चित किया जायें कि समाज में महिलाओं को वह सम्मान और अधिकार मिले जिनकी वे हकदार हैं। इस दिशा में प्रयास और चिंतन जरूरी है। इस बदलाव के लिए हमें अपने परिवार, बच्चों, परिवेश और समाज को शिक्षित और जागरूक करें।

इसमें थोड़ा धैर्य और परिश्रम की जरूरत है। भिलाई महिला समाज, महिलाओं को सशक्त बनाने और उनके उत्थान के लिए बनाया गया एक संगठन मात्र नहीं है बल्कि अनगिनत महिलाओं के लिए आशा की किरण और प्रेरणा का स्त्रोत है। महिलाओं ने उन्नति के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के साथ, इस संगठन ने अनेक जीवन और परिवारों को सहारा दिया है।

जिले में गरिमा के अनुरूप मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2023 का मुख्य समारोह जिला मुख्यालय पुलिस ग्राउंड में नगर के गरिमा के अनुरूप मनाया जाएगा। इस हेतु जिले के सर्व कार्यालय प्रमुखों को कार्य एवं दायित्व सौंपा गया है। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2023 का राष्ट्रीय पर्व के गरिमापूर्ण आयोजन के लिए विगत दिवस कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में विभिन्न विभाग के अधिकारियों को कार्य एवं दायित्व सौंपे गए हैं।

मुख्य समारोह के आयोजन हेतु ग्राउंड की व्यवस्था के तहत साफ-सफाई एवं जन सामान्य के लिए पेयजल व्यवस्था मुख्य नगरपालिका अधिकारी को, समारोह स्थल पर शामियाना टेंट, मंच पर कारपेट एवं तिरपाल, वाटरप्रूफ टेन्ट, वीआईपी सोफा, कुर्सी की व्यवस्था कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग को सौंपा गया है। इसी प्रकार माईक व साउण्ड की व्यवस्था अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग विद्युत एवं यांत्रिकी, समारोह स्थल हेतु राष्ट्रीय ध्वज की व्यवस्था रक्षित निरीक्षक पुलिस लाईन को, बेरीकेटींग हेतु बांस-बल्ली की व्यवस्था वनमण्डलाधिकारी व बैरीकेटींग एवं लाईनिंग की व्यवस्था कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग एवं रक्षित निरीक्षक पुलिस लाईन को, साज-सज्जा एवं गमलों तथा गुलदस्तों की व्यवस्था सहायक संचालक उद्यान विभाग, लाईट की व्यवस्था कार्यपालन अभियंता छश्रीसगढ़ विद्युत मण्डल, उद्घोषक की व्यवस्था सहायक आयुक्त आदिवासी विभाग को, शांति के प्रतीक कबूतर की व्यवस्था उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएंको, आमंत्रण एवं प्रशस्ति पत्र की छपाई तथा वितरण की व्यवस्था मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को, मुख्य अतिथि की सत्कार की व्यवस्था कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीद परिवार को लाने-ले जाने तथा रूकवाने की व्यवस्था पुलिस अधीक्षक, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सर्व थाना प्रभारी, परेड निरीक्षण हेतु जिप्सी की व्यवस्था पुलिस अधीक्षक/रक्षित निरीक्षक को एवं सफेद छाते की व्यवस्था रक्षित निरीक्षक पुलिस लाईन को, मुख्यमंत्री के संदेश एवं समारोह स्थल पर रखने की व्यवस्था उप संचालक जनसम्पर्क, चिकित्सा एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं फोटोग्राफ व विडियोग्राफी की व्यवस्था कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग को सौंपा गया है।

समारोह स्थल पर मुख्य अतिथि को सर्किट हाउस से लाने की जिम्मेदारी तहसीलदार एवं डीएसपी को सौंपी गयी है तथा समारोह में पुलिस विभाग, व जिला परिवहन अधिकारी तथा समारोह स्थल पर पानी टैंकर व फायर ब्रिगेड की व्यवस्था मुख्य नगरपालिका अधिकारी व कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जिला सेनानी नगर सेना को, कार्य एवं दायित्व सौंपा गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950